जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 161 प्रभात अजमेर, गुरुवार 9 जनवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत ने सभी घोड़े खोल दिये हैं, ए.आई.सी.सी. में भारी पद पाने के लिये!

इसी संदर्भ में अपने विश्वासी दायें हाथ को दिल्ली में नियुक्ति दिलाई है, जिससे शशिकांत उन्हें पूरा ''फीडबैक'' देते रहें कि दिल्ली में कांग्रेस में क्या हो रहा है

- फिर शशिकांत के फीडबैक के आधार पर, गहलोत अपने राजनीतिक कदम उठायें व चाल चलें।
- साथ ही, गहलोत हरदम की तरह दिल्ली में दोनों हाथों से पैसा बिखेर रहे हैं, पुराने महारथियों को उनके लिये, दिल्ली में लॉबीइंग करने के लिये, माहौल बनाने के लिये।
- इस बार, एक फर्क जरूर है, राहुल गांधी के सबसे नज़दीक माने जाने वाले के.सी. वेणुगोपाल, जिनका संगठन महामंत्री के रूप से पाँच साल का कार्यकाल अब पूरा हो रहा है और वो रिटायर होने के कगार पर हैं, भी गहलोत के पक्ष में खड़े होते से नज़र आ रहे हैं, वेणुगोपाल, गहलोत की, पार्टी का फायनैंसर होने की क्षमता पहचानते हैं। वेणुगोपाल पार्टी अध्यक्ष का राजनैतिक सलाहकार बनना चाहते हैं तथा अगर गहलोत पार्टी में भारी पद पर आ जाते है तो, वेणुगोपाल का पार्टी अध्यक्ष व पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण बरकरार रहता है।
- गहलोत की इन सारी कोशिशों के बावजूद यह माना जा रहा है कि सोनिया गांधी अंततोगत्वा गहलोत पर विश्वास करने को शायद ही तैयार हों, क्योंकि गहलोत पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने पार्टी अध्यक्ष के खिलाफ खुलकर बगावत की थी, दो साल पहले।
- क्या, सोनिया गांधी, पार्टी का सुप्रीम लीडर का रुतबा खतरे में डालेंगी, बगावत करने वाले ''सिपाही'' का पुनर्वास करवा कर?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। अशोक गहलोत ने ए.आई.सी.सी. में भारी पद पाने के लिये सारे घोड़े खोल दिये हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि सर्वशक्तिमान के.सी. वेणुगोपाल इस आधार पर उनका समर्थन कर रहे हैं कि गहलोत कांग्रेस पार्टी के एक बड़े फायनैंसर हैं।

चूँकि वेणुगोपाल को महासचिव (संगठन) पद पर पूरे पाँच साल हो गये हैं, इसलिये ऐसी प्रबल अटकलें हैं कि उन्हें इस पद से हटाकर कोई अन्य पद दिया जा सकता है। लेकिन आज भी इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे राहुल गांधी के दाहिने हाथ तथा उनके सर्वाधिक विश्वसनीय व्यक्ति हैं तथा आज भी उन्हीं की चल रही है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे कांग्रेस अध्यक्ष के राजनैतिक सलाहकार बनना चाहते हैं, जिससे वे अध्यक्ष कार्यालय पर नियंत्रण कर सकें, तथा इसके साथ ही, अशोक गहलोत जैसे, अपने करीबी के महासचिव (संगठन) बनने की स्थिति में, पार्टी पर भी नियंत्रण रख सकें।

जहाँ तक गहलोत का प्रश्न है, वे दिल्ली में अपने पैर रखने की जगह तलाशने के लिए जबरदस्त लामबंदी कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि उन्होंने दो वर्ष पूर्व सोनिया गांधी के खिलाफ विद्रोह किया था।

गहलोत ऐसे एकमात्र नेता हैं, जो सोनिया गांधी को आँखें दिखा चुके हैं, उन्हें खुली चुनौती दे चुके हैं तथा उनके खिलाफ बगावत कर चुके हैं।

ऐसे परिदृश्य में, क्या गांधी परिवार सब कुछ भुलाकर उन्हें माफ कर सकता है, और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या गांधी परिवार उन पर फिर से भरोसा कर सकता है?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कट ऑफ से अधिक अंक वालों के लिये पद रिक्त रखें

जयपुर, 8 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में कट ऑफ से अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को राहत देते हुए, उनके लिए पद रिक्त रखने को कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश विष्णु कुमार व सैयद अहमद सहित अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

इस मामले से जुड़े अधिवक्ता अधिवक्ता आरपी सैनी व लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने 5 मई 2023 को नर्सिंग ऑफिसर के

- हाई कोर्ट में नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले ने निर्देश दिये।

6961 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें प्रार्थी ने ओबीसी श्रेणी से आवेदन किया था। उसके ओबीसी श्रेणी में कट ऑफ से ज्यादा अंक हैं। इसके अलावा, उसके पास सीएमएचओ की ओर से जारी किया गया अनुभव प्रमाण पत्र भी है। दस्तावेज सत्यापन के दौरान, प्रार्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल किया था, लेकिन अंतिम चयन सूची में उसका नाम नहीं है, जबकि याचिकाकर्ता के अनुभव और जीएनएम के अंक जोड़ने पर कुल अंक कट ऑफ से ज्यादा होते हैं। ऐसे में उसे चयन से वंचित रखना गलत है। इसलिए उसे चयनित कर नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नियुक्ति दी जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलुगू भाषी लोगों की प्रतिष्ठा व साख धूल चाट रही है अमेरिका में?

इतने टैक्निकल आई.टी. प्रोफेशनल अमेरिका जाते थे कि संयुक्त आंध्र एक ज़माने में अमेरिका का इक्यानवां राज्य कहलाने लगा था

- हैदराबाद में एक विशेष मंदिर, चिलुकुरु बालाजी, को वीसा मंदिर माना जाने लगा था, क्योंकि मान्यता बन गई थी कि अगर इस मंदिर में अमेरिका में वीसा मिलने की प्रार्थना करो तो शर्तिया वीसा मिलता है, जो हर तेलुगू भाषी युवा की पहली महत्वाकांक्षा थी।
- पर, अमेरिका ने 18,000 भारतीयों के वीसा रद्द करके, वापस भारत भेजने की कवायद शुरु की है। इन 18,000 लोगों में अधिकतर तेलुगू भाषी हैं।
- इन लोगों की प्रतिष्ठा धूल में मिलने का कारण है, इन तेलूगु भाषी आई.टी. विशेषज्ञों ने एक साजिश रचकर एपल कंपनी में भारी घोटाला, कई सालों से चला रखा था। बहुप्रतिष्ठित एपल कंपनी के तेलूगु भाषी कर्मचारी, तमिल एसोशिएशनों के सहयोग से करोड़ों डॉलर इकट्ठा कर इन एन.जी.ओ. को दान देते थे तथा एपल कंपनी दान को ''मैच'' करते हुए अपने सी.एस.आर. फंड से पैसा देती थी, पर एपल से पैसा मिलते ही कर्मचारियों का पैसा उन्हें वापस लौटा दिया जाता था। यह क्रम कई सालों से साल भर चलता था।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। तेलुगू भाषी लोग अमेरिका की सर्वाधिक प्रतिष्ठित फोन और लैपटॉप कंपनी, एपल के चहेते नहीं हैं। एपल ने पिछले दिनों आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के कई लोगों को, कंपनी की कॉरपोरेट सोशल रैस्पॉंसबिलिटी (सी.एस.आर.) स्कीम में कथित अनियमितताओं के लिए नौकरी से निकाल दिया।

यहाँ पहुँची खबरों के अनुसार, एपल ने कंपनी की सी.एस.आर. गतिविधियों की फर्जी अनुदान योजना में कथित रूप से लिप्त होने के आरोप में लगभग 185 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें से अधिकांश तेलुगूभाषी हैं।

रिपोर्टों में कई ऐसे उदाहरण दिए गए हैं, जिनमें एपल के कर्मचारियों ने अमेरिका की कुछ तेलुगू संस्थाओं के साथ मिलीभगत करके एपल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

50 साल बाद नए भवन में शिफ्ट होगा कांग्रेस का मुख्यालय

कांग्रेस मुख्यालय का नया पता, 24, अकबर रोड से बदल कर इंदिरा गांधी भवन 9, ए कोटला रोड होगा

- कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी 15 जनवरी को सुबह दस बजे नए मुख्यालय का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद होंगे।
- दिसम्बर 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह और तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसका शिलान्यास किया था। निर्माण में पूरे 15 साल लगे हैं।
- सन् 1978 में जब इंदिरा गांधी सत्ता से बाहर हो चुकी थीं और कांग्रेस भी टूट चुकी थी तब इंदिरा गुट के पास कार्यालय नहीं था। उस समय आंध्र प्रदेश के सांसद जी. वेंकट स्वामी ने अपना सरकारी आवास, 24, अकबर रोड कार्यालय के लिए दिया था।
- कांग्रेस पार्टी का आज़ादी के समय मुख्यालय 7, जंतर-मंतर रोड था, बाद में 5, राजेन्द्र प्रसाद रोड में मुख्यालय बना और फिर 1978 में 24, अकबर रोड मुख्यालय बनाया था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। लगभग 50 साल बाद, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पता बदलने जा रहा है। पच्चीस जनवरी को पार्टी मुख्यालय 24, अकबर रोड से इंदिरा गांधी भवन, 9-ए, कोटला रोड पर शिफ्ट हो जायेगा।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी 15 जनवरी को प्रात:10 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट फैसिलिटी का विधिवत् उद्घाटन करेंगी। लगभग 139 वर्ष की विस्तृत अवधि के इतिहास वाली कांग्रेस की समृद्ध विरासत के लिये यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। पार्टी 4, अकबर रोड को छोड़ रही है, जो सोनिया के आवास, 9, जनपथ के ठीक पीछे स्थित था। अब तक वे अपने आवास के पीछे के दरवाजे से पैदल ही पार्टी मुख्यालय पहुँच सकती थीं तथा पार्टी के नेतागण उसी दरवाजे से उनसे मिलने आ जाते थे। इस अवसर पर देश भर के प्रमुख पार्टी नेता एकत्रित होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तिरुपति में भगदड़ में 6 की मौत

नई दिल्ली आंध्र प्रदेश , 08 जनवरी। तिरुपति में टोकन बंटने के दौरान मची भगदड़ में करीब 6 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, वैकुंठद्वार सर्वदर्शनम टोकन वितरण के दौरान, तिरुपति के विष्णु निवासम में अफरा-तफरी मच गई, परिणामस्वरुप मची भगदड़ में इतना बड़ा हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, टोकन प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके कारण 6 लोगों की दुखद मौत हो गई, जिसमें तमिलनाडु के सलेम का एक श्रद्धालु भी शामिल है। घटना के दौरान चार

- दर्शन के लिये टोकन के वितरण के दौरान भारी भीड़ उमड़ पड़ी और भगदड़ मच गई।

अन्य लोग बीमार पड़ गए, उन्हें तुरंत इलाज के लिए रुइया अस्पताल ले जाया गया।

इस घटना के बाद प्रशासन अलर्ट में है। घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। भगदड़ को लेकर पुलिस पर सवाल उठने लगे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐन वक्त पर ऐंबुलेंस ड्राइवर गायब था, जिसके कारण घायलों को अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई।

क्या हमें 6.65 प्रतिशत ग्रोथ रेट से संतुष्ट रहना चाहिये?

या, रियायतों के इंजैक्शन पर इंजैक्शन लगाकर कृत्रिम रूप से ग्रोथ रेट को 2021-22 की कोविड काल के बाद की ग्रोथ रेट तक खींचकर ले जाना चाहिये?

- यह बहस, पहली बार नहीं हो रही, भारत के इकॉनमिस्टों में, यह बहस छिड़ी है राजीव गांधी के समय, भारत के जाने-माने इकॉनमिस्ट डॉ. राजा चलैया एक तरफ थे तथा दूसरी तरफ थे, आबिद अली, पूर्व कॉमर्स सचिव।
- डॉ. चेलैया का सोच था, इकोनॉमी/जी.डी.पी. को अपनी स्वाभाविक स्वजनित रेट पर बढ़ने देना चाहिये। आबिद अली का तर्क था, सभी खिड़कियां खोल देनी चाहिये, नई शुद्ध हवा आने के लिए, अगर हवा के साथ कुछ मक्खियां भी आ जाती हैं तो उनसे हम बाद में निपट लेंगे।
- पर, यह सच है कि कृत्रिम तरीकों से रियायतों के इंजैक्शन लगाकर अगर ग्रोथ रेट बढ़ाई जाती है तो कई विकृतियां आ जाती हैं, महंगाई बढ़ जाती है तथा ग्रोथ दीर्घकालीन नहीं होती। अंततोगत्वा गिरती है, जिससे हौंसला टूटता है, निराशा बढ़ती है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। जी.डी.पी. के नवीनतम अग्रिम अनुमानों की घोषणा होने के साथ ही कुछ लोग मान रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है और आने वाले कुछ वर्षों में 8 प्रतिशत या उससे अधिक विकास दर तक नहीं पहुंच पाएगी। उनका मत है कि निकट भविष्य में भारत की ग्रोथ रेट 6 से साढ़े 6 प्रतिशत तक रह सकती है।

तथ्यों को थोड़ा गहराई से देखते हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की ग्रोथ रेट देखी है। नवीनतम आंकड़े 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत की ग्रोथ रेट दर्शा रहे है। कोविड-19 के हासिल ऊंचाइयों के बाद यह बड़ी गिरावट है जब 2021-22 में ग्रोथ रेट 9.7 प्रतिशत थी। गत 13 सालों में 2012-13 से चार वर्षों में ग्रोथ रेट 8 प्रतिशत से अधिक रही है।

मौजूदा रुझानों के अनुसार भारत की जी.डी.पी. ग्रोथ रेट अधिकांश वर्षों में औसतन 7 प्रतिशत रही है और अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है बशर्ते असाधारण घटनाएं इसमें अड़चन ना डालें, जैसे वैश्विक महामारी या नोट बंदी आदि।

एक बड़ी अर्थव्यवस्था का बिना किसी कृत्रिम प्रोत्साहन के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ना कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। ग्रोथ के उन्माद में ऐसी उम्मीदें नहीं करनी चाहिए कि ग्रोथ रेट बहुत ज्यादा बढ़ेगी। उसमें बहुत ज्यादा प्रोत्साहन पैदा होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसकी बजाय इसे अपनी स्वाभाविक रफ्तार से बढ़ने देना चाहिए।

ग्रोथ का उन्माद समय-समय पर और महत्वपूर्ण मौकों पर नीति निर्माताओं और सामान्य पर्यवेक्षकों को प्रभावित करता है। जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तब पंचवर्षीय योजना निर्माण के दौरान भारी बहस छिड़ी थी। योजना आयोग दो गुटों में बंट गया था।

डॉ. राजा चेल्लैया जो उस समय के जाने माने अर्थशास्त्री थे और योजना आयोग के सदस्य थे, ने सतर्क सोच का समर्थन किया और सलाह दी थी कि ग्रोथ टारगैट ऐसा हो जो प्राप्त किया जा सके। वहीं दूसरे गुट के सदस्य आबिद हुसैन ने महत्वाकांक्षी योजना बनाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वी. नारायणन इसरो के नये प्रमुख बने

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के नए अध्यक्ष वी. नारायणन होंगे। इसकी जानकारी मंगलवार को भारत सरकार ने दी। वी नारायणन इसरो के अध्यक्ष के रूप में डॉ. एस. सोमनाथ की जगह लेंगे। वी नारायणन अंतरिक्ष विभाग के सचिव का भी कार्यभार संभालेंगे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के आदेश के अनुसार,

- नारायणन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं। वे 14 जनवरी को कार्यभार सभालेंगे।

वी नारायणन 14 जनवरी को वर्तमान इसरो प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे। वह अगले दो वर्षों तक या अगली सूचना तक इस पद पर रहेंगे। वी नारायणन एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं, जिनके पास रॉकेट और अंतरिक्ष यान प्रणोदन में लगभग चार दशकों का अनुभव है। वह एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल की अनिता आनंद कैनडा के प्रधानमंत्री पद की प्रमुख दावेदार के रुप में उभरीं

पर, सवाल यह है कि क्या इससे ही भारत और कैनडा के रिश्तों में सुधार हो जाएगा

- इसका जवाब हाँ या ना में नहीं दिया जा सकता, क्योंकि, इसमें नए प्रधानमंत्री की नीतियां और कूटनीतिक नज़रिया महत्वपूर्ण होगा।
- सबसे प्रमुख मुद्दा है, खालिस्तानी आतंकवादियों का। कैनडा में बड़ी संख्या में खालिस्तानी समर्थक रहते हैं। जस्टिन ट्रूडो द्वारा अब तक उन्हें संरक्षण दिया जाता रहा। भारत को उम्मीद है कि अगर अनिता आनंद प्रधानमंत्री बनीं तो वे इस मसले पर भारत की चिंताओं का समाधान करेंगी।
- अनिता आनंद कैनडा में कई विभागों की मंत्री रही हैं तथा कोविड-19 के दौरान उनकी नेतृत्व क्षमता का परिचय मिला, कोविड की वैक्सीन खरीदने में मिली सफलता से।
- विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-अमेरिका के संबंध और कैनडा-अमेरिका के संबंध भी भारत और कैनडा के आपसी रिश्तों को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। जस्टिन ट्रूडो ने कैनडा के प्रधानमंत्री पद से त्याग पत्र दे दिया है। अब सवाल यह है कि क्या भारत -कैनडा के रिश्तों में सुधार को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका जवाब साधारण ''हां या ना'' नहीं है। इसका जवाब कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिनमें उनके उत्तराधिकारी की नीतियां और कूटनीतिक लहजे के साथ दोनों देशों के भूराजनैतिक और आर्थिक हित शामिल होंगे।

ट्रूडो के बाद के संभावित परिदृश्य में जो नया नेता आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता देगा और विवादास्पद मुद्दों का गैरराजनीतिकरण करेगा, वही दोनों देशों के रिश्तो में स्थिरता और शांति ला सकता है। दोनों देशों के कई क्षेत्रों में आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। जैसे टैक्नॉलजी, क्लीन एनर्जी व कृषि। दोनों देशों के परस्पर सहयोग से लाभ हो सकता है कैनडा में आतंकी तत्वों के रहने से जुड़ी भारत की चिंता के समाधान से तनाव दूर करने में मदद मिल सकती है।

कुछ मुद्दों, जैसे खालिस्तान आदि, का अगर समाधान नहीं किया गया तो ये हमेशा बने रह सकते हैं, भले ही किसी का भी नेतृत्व हो। कैनडा की घरेलू राजनैतिक गतिशीलता और प्रवासी राजनीति विदेश नीति के निर्णयों को प्रभावित करना जारी रख सकती है।

उल्लेखनीय है कि अनिता आनंद, जो कैनडा की परिवहन और आन्तरिक व्यापार मंत्री हैं, का नाम ट्रूडो के उत्तराधिकारी के रुप में चल रहा है।

अनिता भारतीय मूल की हैं और 2019 से ओकविले, ओन्टारियो का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। वे कई महत्वपूर्ण विभाग संभाल चुकी हैं। रक्षा मंत्री के रुप में उन्होंने कैनडा की सेना में यौन उत्पीड़न संबंधी सुधार शुरु किए, सांस्कृतिक बदलाव को प्रोत्साहन दिया। कोविड -19 के दौरान, उनके नेतृत्व को पहचान मिली, क्योंकि उन्होंने कैनडा के लिए वैक्सीन हासिल करने में सफलता प्राप्त की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संयुक्त राष्ट्र ने एच.एम.पी.वी. को सामान्य सर्दी जुकाम बताया

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मानव मेटान्यूमो-वायरस (एचएमपीवी) सामान्य सर्दी ज़ुकाम है जो शिशिर और बसंत ऋतु में होता है। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि एचएमपीवी नया वायरस नहीं है। इसे सर्वप्रथम वर्ष 2001 में पहचाना गया और यह लंबे समय से मानव समाज में

- संयुक्त राष्ट्र की सोशल पोस्ट में कहा गया है कि इस वायरस को 2001 में पहचाना गया था।

मौजूद है।

पोस्ट में कहा गया कि, यह सामान्य वायरस है जो सामान्य सर्दी ज़ुकाम की तरह श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है।

पोस्ट के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएमओ की वरिष्ठ अधिकारी मार्ग्रेट हैरिस का एक बयान भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

ज़िन्दगी : रीयल और रील के झमेले

वीडियो या रील के माध्यम से आज हम तेजी से अपने इर्द-गिर्द होने वाली घटनाओं और भ्रष्टाचार को आसानी से देख पा रहे हैं। वस्तुत: सकारात्मक दृष्टि से देखा जाए तो सूचना के अधिकार से भी अधिक प्रभावी सिद्ध हुआ है रील बनाने का शौक। लेकिन यह बात सच है कि किसी रहस्य बेईमानी या बदनियति को उजागर करने के लिए कोई आसानी से तो रील नहीं बना सकता, जाहिर सी बात है इसके लिए रील बनाने वाला व्यक्ति चोरी-छुपे प्रयास करता है और ऐसे एक्टिविस्ट लोग तेजी से समाज के सामने गलत बातों को प्रस्तुत करने में कामयाब हो जाते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू बहुत खराब है, रील या वीडियो बनाने की आदत ने लोगों को ब्लैकमेल के अंधे कुएं में धकेल दिया है। कुछ लोग आदतन अपराधी होते हैं जो इसी काम में लगे रहते हैं और किसी न किसी तरह से गलत चीजों की रील बनाकर ब्लैकमेलिंग का काम करते हैं। आजकल होटल में रहने वाले कपल्स और बड़े-बड़े वस्त्र संग्रहालयों में कपड़े खरीदने वाली लड़कियां चेंजिंग रूम में छिपे कैमरों की नजरों से बच नहीं पा रही हैं। अब तो हालत इतने बिगड़ गए हैं कि हॉस्टल्स में लड़कियों के वॉशरूम में छुपकर कैमरे लगाए जा रहे हैं और उनका जीना मुश्किल होता जा रहा है। इन सब के कारण रील या वीडियो बनाने की यह प्रवृत्ति अब बहुत दूषित स्टेज पर पहुंच गई है। प्रसिद्ध होने की चाहत में रील बनाने की आदत ने लड़कियों को लड़कों को एक तरह से खुला लाइसेंस दे दिया है वे यहां-वहां कहीं भी सड़क पर, घर पर, नदी-नाले-पहाड़ पर, ट्रेन में बस में ऐसा कोई स्थान शेष नहीं है जहां बेहूदा अश्लील और बकवास किस्म के वीडियो बनाए जा रहे हैं। लेकिन आप उनका कर कुछ नहीं सकते हैं, इस दिशा में न तो किसी तरह का कोई कानून है न ही कोई सामाजिक प्रतिबंध है। और संस्कार की बात तो छोड़ ही दीजिए। क्या आपको पता है भारत में हर दिन 140 बिलियन से अधिक इंस्टाग्राम रील्स प्ले होते हैं। इसीलिए भारत में इंस्टाग्राम रील्स का सबसे बड़ा बाज़ार है।

चौंकिए मत ये तो महज एक आंकड़ा है लेकिन इसे लेकर गलतफहमियां हजारों हैं। जैसे यकायक खूब चमक जाएंगे, हीरो या हीरोइन बन जाएंगे, अकूत पैसा आएगा, माडल बन जाएंगे और निगाह पड़ी तो राजनीति में भी किस्मत चमक सकती है। दरअसल में पहले टिकटॉक रील बनाने के लिए जाना जाता था लेकिन जब इसका बैन किया तो इंस्टाग्राम ने साल 2021 में रील ऑप्शन लॉन्च कर दिया । खुद इन्स्टाग्राम वालों को भी ये मालूम नही था, महज चार वर्षों में रील बनाने का शौक जबरदस्त जुनून में तब्दील हो जाएगा। आज हालात ये हैं कि रील बनाने वालों की पगलाई भीड़ उचित-अनुचित, नैतिक-अनैतिक, ज़िन्दगी और मौत कुछ नही देख रही कुछ नही समझ रही। लोग अपना कैरियर, रिश्ते यहां तक कि जीवन दांव पर लगा कर रील बना रहे हैं। संवेदन हीन लोग दुर्धटना में सहायता करने के स्थान पर मृत्यु के मुख में जा रहे आदमी की रील बना कर ख्यात होने का भ्रम पाल रहे हैं। लोग खाते-पीते, जगते-सोते यहां तक कि वर्जित बातों के भी रील बना रहे हैं। पैसे कमाने की चाहत वाले कितने लोगों को पता है कि इंस्टाग्राम अब रील दिखाने वाले व्यूज पर कोई पैसे नहीं देता है। कंपनी ने पिछले साल मार्च में ही रील पे बोनस प्रोग्राम को बंद कर दिया है।

अपनी रील की पंहुच बढ़ाने के लिए लोग तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। हैशटैग इंस्टाग्राम रील्स पर उसी तरह काम करते हैं जैसे वे नियमित इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए करते हैं। अपने रील कैप्शन में प्रासंगिक हैशटैग का उपयोग करने से उनकी पहुंच बढ़ती है और इससे इनको अधिक व्यू, लाइक, कमेंट और शेयर आकर्षित करने में मदद मिलती है। रील बनाना और रील देखना दोनों ही एक लत की तरह पन रहे हैं । रील बनाने वाले लोग पागलों की तरह दिन-रात रील बनाने में लगे रहते हैं यहां तक कि वे अपने परिवार और जीवन को भी दाव पर लगा रहे हैं, ऐसे हजारों समाचार प्रतिदिन सामने आ रहे हैं जहां पति-पत्नी के बीच रील बनाने को लेकर झगड़े हो रहे हैं और मामला तलाक तक पहुंच रहे है।

अपनी रील की पंहुच बढ़ाने के लिए लोग तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। हैशटैग इंस्टाग्राम रील्स पर उसी तरह काम करते हैं जैसे वे नियमित इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए करते हैं। अपने रील कैप्शन में प्रासंगिक हैशटैग का उपयोग करने से उनकी पहुंच बढ़ती है और इससे इनको अधिक व्यू, लाइक, कमेंट और शेयर आकर्षित करने में मदद मिलती है। रील बनाना और रील देखना दोनों ही एक लत की तरह पन रहे हैं । रील बनाने वाले लोग पागलों की तरह दिन-रात रील बनाने में लगे रहते हैं यहां तक कि वे अपने परिवार और जीवन को भी दाव पर लगा रहे हैं, ऐसे हजारों समाचार प्रतिदिन सामने आ रहे हैं जहां पति-पत्नी के बीच रील बनाने को लेकर झगड़े हो रहे हैं और मामला तलाक तक पहुंच रहे है। बच्चे पढ़ाई छोड़कर रील बनाने में लगे हैं और रील देखने वालों की हालत इससे भी ज्यादा खराब है, ऊपर जो आंकड़ा दिया गया है उसी से पता चलता है कि एक बार जब आप रील देखना शुरू करते हैं तो उसके बाद आपको पता ही नहीं चलता है कि आपने कितना समय इस फालतू के काम में बर्बाद कर दिया है। ऐसा नहीं है कि उपयोगी रील बनती ही नहीं है। जीवन कौशल को विकसित करने के लिए बहुत से अच्छे सुझाव और अच्छी जानकारियां भी रील के माध्यम से मिल रही हैं लेकिन हम सब जानते हैं की अच्छी चीजों पर हमेशा ही बुरी चीजों का प्रभाव ज्यादा व्यापक होता है। अश्लीलता का पूरा बाजार रील्स के माध्यम से पसरा पड़ा है और हमारे तकनीकी विशेषज्ञ असहाय होकर केवल हो रहे नुकसान को देख रहे हैं। माता-पिता को खासतौर पर इस समय इस भयावह आदत को नियंत्रित करने के लिए सजग होने की आवश्यकता है शिक्षकों को इस विषय पर गंभीरता से काम करना चाहिए और सरकार को कठोर कानून बनाकर इस दुष्प्रवृत्ति को रोकना चाहिए।

–अतिथि संपादक.
राजेन्द्र मोहन शर्मा.
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

राशिफल गुरूवार 9 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र दिन 3:07 तक, साध्य योग सायं 5:29 तक, गर करण दिन 12:23 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:46 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 3:07 तक है। यमघट योग दिन 3:07 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 11:31 से आरम्भ होगी। आज सूर्य पूजा और शाम्ब दशमी है। मन्वादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:16 से 12:34 तक, लाभ-अमृत 12:24 से 3:14 तक, शुभ 4:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:46

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आर्थिक व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

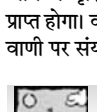

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

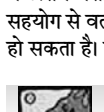

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

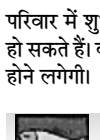

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक मामले न्यायालयों में विचाराधीन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि देश के न्यायालयों में 45 लाख से अधिक मामलें केवल और केवल चेक बाउंस होने से संबंधित है। अदालतों में लंबित मुकदमों में करीब 9 प्रतिशत मामलें तो चेक बाउंस के ही है। इसमें भी सर्वाधिक 6 लाख से अधिक मामलें राजस्थान में विचाराधीन है वहीं राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य है जहां चेक बाउंस के सर्वाधिक मामलें विचाराधीन है।

न्यायालयों में मुकदमों के बोझ को लेकर न्यायपालिका से लेकर सरकार और इससे जुड़े लोग सभी चिंतित है। देश के न्यायालयों में कुल 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित चल रहे हैं। लगातार सुधारों और सकारात्मक प्रयासों के बावजूद न्याय की प्रतीक्षा में इतनी अधिक संख्या में प्रकरणों का बकाया होना इस मायने में भी चिंता का कारण है कि न्यायालयों पर मुकदमे को बोझ कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह सब तो तब है जब लोक अदालतों का समय समय पर लगातार आयोजन किया जा रहा है। दरअसल कुछ इस तरह के मुकदमें है जो सबसे अधिक न्याय के मंदिर का बोझ बढ़ा रहे हैं। ऐसे मुकदमों के निस्तारण की दृष्टि से यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले मुकदमों के निस्तारण का जो रास्ता अख्तियार किया गया है वह निश्चित रुप से सराहनीय और न्यायालयों के बोझ को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास माना जा सकता है। यदि चेक बांउस वाले मामलों को भी इसी तरह से निपटान का कोई रास्ता निकल सके तो न्यायालयों में मुकदमों के अंबार को निष्चित रुप से कम किया जा सकता है।

न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब 25 कोर्ट बने भी। पर परिणाम सामने नहीं आ सके हैं।

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। देश के सबसे बड़े न्याय के मंदिर में 80 हजार से अधिक मामलें लंबित है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लंबित न्यायालयों में से करीब 85 प्रतिशत से अधिक मामलें तो जिला अदालतों में विचाराधीन है। करीब 25 प्रतिशत मामलें राजस्व से जुड़े हैं। यातायात नियमों की अवहेलना के मामलें भी बहुत अधिक संख्या में है पर इसके निराकरण का रास्ता निकलने लगा है। देश में समय समय पर नियतकाल में लग रही लोक अदालतों में भी बड़ी संख्या में मुकदमों का निस्तारण होने लगा है। पर सवाल वहीं का वहीं है कि देष के न्यायालयों में फास्ट ट्रेक सहित विषेष अदालतें बनने के बाद भी कम होने की जगह दिन प्रतिदिन अधिक ही होते जा रहे है। विचाराधीन कैदियों के संदर्भ में राष्ट्रप्रति द्रोपदी मुर्मु की टिप्पणी और उपकी चिंता से सभी वाकिफ हो चुके हैं। होता तो यहां तक है कि हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण देखने को मिल जाएंगे जिसमें जितनी सजा होनी चाहिए उससे अधिक समय तो ज्यूडिशियल कस्टेडी में ही निकल जाता है। इसी तरह से मामूली मारपीट और इसी तरह के दूसर छोटे मोटे मुकदमें न्यायालयों में लगातार बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। आपसी जमीन जायदाद और गज दो गज जमीन के, रास्ते के और इनके कारण राजस्व मुकदमों के साथ ही क्रिमिनल मुकदमों और इसी तरह के मुकदमों के न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करते हुए त्वरित निस्तारण का कोई समाधान खोजा जाना आवश्यक है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे न्यायालयों द्वारा मुकदमों का बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। व्यवस्था में काफी सुधार किये गए हैं। पुराने लंबित मुकदमों की पहले सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह से तारीख पर तारीख लेने की परंपरा को भी तोड़ा जा रहा है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तकनीक सेवी बनाया जा रहा है। त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। पर तथ्य तो यही दर्शा रहे हैं कि लाख प्रयासों के बावजूद मुकदमों का अंबार कम नहीं हो रहा। भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि देशवासियों को न्याय सिस्टम के प्रति विष्वास है और यही कारण है कि लोग जब कोई विकल्प नहीं दिखता तो न्याय के दरवाजे पर गुहार लगाते है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि न्यायालयों में सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या भी बहुत बहुत बड़ी संख्या में हैं। आर्बिटेशन के प्रावधान होने के बावजूद अधिक मामलें निपट नहीं पाते हैं। अब चेक बांउस के मामलों को ही लिया जाए तो इसमें दो बाते साफ है। मोटे रुप से चेक बांउस होने की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या चेक राषि की दो गुणा राशि चुकाने के प्रावधान है। केस की प्रकृति के अनुसार सजा कम ज्यादा हो सकती है। ऐसे में 43 लाख मुकदमों का केवल चेक बाउंस से संबंधित होना इसलिए चिंता का विषय हो जाता है कि पांच करोड़ में से यह संख्या कम होती है और खासतौर से ऐसे हालातों में निचली अदालत में मुकदमों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता तो चेक बांउस प्रकरणों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाते हुए लोक अदालत लगाई जाकर उसमें दोनों पक्षों को बुलाकर समझाईश से निपटाया जा सकता है या कुछ इसी तरह का कोई हल खोजा जा सकता है। ऐसे मामलों में एक या दो से अधिक तारीख तो दी ही नहीं जानी चाहिए। ऐसे मामलें अदालत में आने की साथ ही दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का तारीख दर तारीख नहीं बल्कि पहली या दूसरी तारीख में ही देकर के निस्तारित किया जाना अधिक उचित होगा ताकि इस तरह के प्रकरणों का निष्पादन हो सके। यह तो सामान्य व्यक्ति के रुप में सुझाव हो सकता है। न्यायपालिका से जुड़े विशेषज्ञ विद्वतगण इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रिया को पूरी करते हुए कोई सकारात्मक सुझाव दे और सरकार व न्यायपालिका द्वारा परीक्षण कर कोई ऐसी व्यवस्था करें तो मुकदमों के अंबार को कम किया जा सकता है। चेक बांउस तो एक पक्ष है इसी तरह के ऐसे मुकदमें जिनमें अधिक कानूनी पेचिदगियां नहीं होती हो उनके त्वरित निस्तारण का रास्ता निकाल कर न्यायालयों के बोझ को हल्का किया जा सकता हैं। सरकार, न्यायपालिका और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को इस दिशा में भी निरंतर मनन और समाधान खोजना ही होगा ताकि न्याय जल्दी मिल सके, मुकदमों का भार कम हो सके।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)।

राजस्थान-हरियाणा सीमा विवाद में फंसा करोड़ों रुपये का पत्थर, खनिज विभाग मौन

करीब एक माह गुजरने को है, लेकिन कोई भी पत्थर का मालिक बनने को तैयार नहीं है

पहाड़ी/भरतपुर, (निसं)। राजस्थान-हरियाणा सीमा विवाद में फंसा करोड़ों रुपये का अवैध पत्थर लावरिस हालत में राजस्थान सीमा में पड़ा हुआ है। करीब एक माह गुजरने को जा रहा है लेकिन कोई भी पत्थर का मालिक बनने को तैयार नहीं है, जिसको लेकर हरियाणा, राजस्थान के सरकारी महकमे से लेकर के हरियाणा के राजनेताओं ने दौरा कर हालत को जानने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नही निकला है, ना ही पुलिस अवैध खनन करने वाले माफिया का सुराग लगा पाई है।

मिलीभगत का अंदेशा :- गत दिनों राजस्थान सीमा के नांगल क्रशर जॉन के खसरा नम्बर 162 नया नम्बर 211 से सटे हरियाणा सीमा के पहाड़ को खनन माफियाओं ने ब्लास्टिंग कर ढहा दिया था। जिसका पत्थर राजस्थान सीमा में आकर गिरा था, लेकिन उस पत्थर का मालिक कोई भी नहीं बन रहा है, जिसकी जानकारी को लेकर हरियाणा व राजस्थान के खनिज विभाग के अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नही है। यहां तक कि फोन तक को रिसीव करना उचित नहीं समझ रहे हैं। इससे सबके मिलीभगत का खेल की सम्भावना दिखाई देने लगी है।

■ **हरियाणा, राजस्थान के सरकारी महकमे से लेकर के हरियाणा के राजनेताओं ने दौरा कर हालात को जानने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला**

हरियाणा के खनन मंत्री का दौरा, अवैध खनन को नकारा :- गत दिन इस मामले को लेकर हरियाणा सरकार के खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने दौरा कर जायजा लिया। जिसको लेकर हरियाणा के मीडिया को मंत्री ने अवैध खनन होने से साफ इनकार कर दिया है और बताया है कि राजस्थान के वैध लीज खसरा नम्बर 162 में लीज धारकों ने खनन किया है, जिससे हरियाणा के पहाड़ में दरार आई है।

गिरे हुए पत्थर पर खनन माफिया की नजर :- हरियाणा व राजस्थान के खनन माफिया की नजर गिरे हुए पत्थर पर कभी भी चोरी से पत्थर गायब हो सकता है। क्योंकि इस पत्थर को लेकर राजस्थान व हरियाणा के विभाग चुप्पी साधे हुए हैं। इससे लगता है कि रसूखात के चलते सभी मामले को दबाकर करोड़ों रूपये के पत्थर को गायब करना चाहते हैं। अपने अपने बचाव में दोनों राज्यों के खनन विभाग ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कर इतिश्री कर ली है। वहीं पुलिस भी आरोपिओ का पता नहीं लगा सकी है।

एसडीएम पहाड़ी दिनेश शर्मा का कहना है कि हमारी जांच के दौरान पत्थर हरियाणा का राजस्थान सीमा में पड़ा हुआ पाया गया है। खनिज विभाग ने एक रिपोर्ट भी दर्ज कराई है बाकी अन्य मामले की जानकारी खनिज विभाग की जवाबदेही है। यदि फोन रिसीव नहीं कर रहे हैं तो यह मेरे अधिकार क्षेत्र की बात नहीं है।

मरू महोत्सव का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक

■ **जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में मरू महोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन**

जैसलमेर, (नि.सं.)। पर्यटन मानचित्र पर विश्व विख्यात मरू महोत्सव का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक होगा। जिला कलेक्टर प्रतापसिंह की अध्यक्षता में मरू महोत्सव को बेहतर एवं यादगार बनाने के लिए बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर सिंह द्वारा मरु महोत्सव में किये जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से समीक्षा की एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारियों एवं होटल व्यवसाईयों व सम एवं खुहड़ी रिसोर्ट के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर उनसे सुझाव प्राप्त किए। मरु महोत्सव के दौरान पोकरण, जैसलमेर, सम व खुहड़ी में निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई।

जिला कलेक्टर प्रतापसिंह ने कहा कि मरु महोत्सव का आयोजन भव्य हो एवं महोत्सव में आने वाले हर देशी-विदेशी पर्यटक उसका पूरा आनंद लें, उसी अनुरुप अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए हर कार्यक्रम को यादगार बनायें। जिला कलेक्टर ने सहायक निदेशक, पर्यटक स्वागत केन्द्र को निर्देश दिए कि वे मरु महोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रमों को अंतिम रुप देकर उसका अभी से ही हर स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करवाना सुनिश्चित करें ताकि अधिक से अधिक पर्यटक महोत्सव को देखने आए।

उन्होंने महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय ख्यातनाम लोक कलाकारों की प्रस्तुति करावें ताकि यहां की लोक संगीत व लोक संस्कृति को ओर अधिक बढ़ावा मिले। बैठक में होटल एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े विक्रमसिंह नाचना, गजेन्द्रसिंह सोढ़ा, कैलाश व्यास, अरुण पुरोहित ने मरु महोत्सव के कार्यक्रमों को और अधिक रौचक बनाने के सम्बन्ध में अपनी ओर से सारगर्भित सुझाव दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार, उपखण्ड अधिकारी शिवानी जोशी, पुलिस उप अधीक्षक जैसलमेर रुपसिंह इंदा, तहसीलदार सम गजानंद मीणा के साथ ही अन्य मेला व्यवस्थाओं से जुड़े विभागीय अधिकारी, पर्यटन एवं होटल व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

अस्थाई सफाई कार्मिकों को चार माह से नहीं मिला वेतन

■ **अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस युवा प्रकोष्ठ ने ठेकेदार को भुगतान नहीं करने की मांग की**

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस युवा प्रकोष्ठ कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका राजगढ़ में अस्थाई सफाई कर्मचारी एवं पंप चालकों एवं ड्राइवर का चार माह का बकाया भुगतान ठेकेदार को नहीं देने एवं कार्मिकों के खाते में सीधा भुगतान करने की मांग की है।

अध्यक्ष संदीप चावरिया के नेतृत्व में हरिराम, अजय कुमार, बसंत कुमार, सेवालाल, लालचंद, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, उम्मेद, राजेश, देवकीनंदन आदि कार्मिकों ने लिखित शिकायत में बताया कि नगर पालिका में फर्म जेवी इंटरप्राइजेज बीकानेर के माध्यम से अस्थाई सफाई कार्मिकों ने गत चार माह तक मेहनत कर शहर में सफाई व्यवस्था कार्य किया। लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी ठेकेदार द्वारा भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में बताया कि पिछली बार 25 लाख रुपए का चेक में पंप चालकों एवं ड्राइवर का भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में ठेकेदार को नगर पालिका द्वारा भुगतान नहीं करने की मांग की है तथा कार्मिकों का पैसा सीधा कार्मिकों के बैंक खाते में डालने की मांग की है। शिकायत में बताया कि मेहनत के बावजूद कार्मिकों को पैसा नहीं मिलने के कारण घरेलू परिस्थितियों खराब होने लगी है तथा भारी परेशानियां उठाने पड रही है। शिकायत में समय रहते उचित कार्रवाई की मांग की है तथा कार्रवाई नहीं होने पर धरना और प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे निजी कॉलोनीवासी

भीलवाड़ा, (निसं)। मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे निजी कॉलोनीवासियों ने नगर विकास न्यास के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नगर निगम के महापौर राकेश पाठक भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

महापौर राकेश पाठक ने कहा कि एवरग्रीन, रुक्मिणी और मातेश्वरी कॉलोनी के लोगो ने गत दिनों नगर निगम में हुई जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्याओं से अवगत करवाया था, जिसमें मुख्य रूप से क्षेत्र में फैली गंदगी, सड़कों की कमी और रोड लाइट व पेयजल की समस्या थी। सभी कॉलोनियां यूआईटी क्षेत्र में आती है इसलिए निर्णय हुआ कि आज यूआईटी के अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया जाएगा। इसी के तहत बुधवार को

भीलवाड़ा में निजी कॉलोनीवासियों ने नगर विकास न्यास के बाहर प्रदर्शन किया।

सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने यूआईटी के बाहर प्रदर्शन कर सेकेट्री ललित गोयल को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया, जिसके बाद तत्काल अध्यक्ष कलेक्टर नमित मेहता के निर्देशन में सेकेट्री गोयल ने अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से क्षेत्र का सर्वे कर आमजन की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

ड्यूटी के दौरान आर्मी जवान का निधन

करौली, (निसं.) करौली के आर्मी जवान का हार्टअटैक से जोधपुर में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। हवलदार धर्मवीर खटाना नादौती उपखंड में कैमरी के पास दंडकापुरा गांव के रहने वाले थे।

शहीद की पार्थिव देह को बुधवार को पैतृक गांव लाया गया जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार हवलदार धर्मवीर खटाना जोधपुर में सिंगल रेंज में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान मंगलवार प्रात: चार बजे सीने में दर्द हुआ था। इसके बाद उन्हें आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। शहीद की पत्नी विमलेश करौली जिले में पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात हैं जबकि शहीद के पिता सूबेदार रामनिवास खटाना भी सेना से सूबेदार के पद से रिटायर हैं।

रचित कच्छावा बने बजरंग मंडल अध्यक्ष

अजमेर , (कास)। भारतीय जनता पार्टी शहर जिला अजमेर के जिला निर्वाचन अधिकारी प्रसन्चन्द मेहता ने सर्व सहमति से 7 मंडलों के अध्यक्षों को निर्वाचित किया। रचित कच्छावा की शुरुआत बजरंग दल से हुई थी जो बजरंग दल के प्रखंड संयोजक से महानगर सहसंयोजक रहते हुए,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर सहमंत्री व छात्रसंघ अध्यक्ष राजकीय विधि महाविद्यालय रहे,इसके बाद युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीलवाड़ा के जिला संगठन प्रभारी रहे।

NAME CHANGE

I, SRI SHAMRAO Father of Army No JC-773838X Rank:-SUB Name:- MOHAN BHAUSAHEB SHAMRAO Residing at Vill:-PANAV (KH) Post:-CHANDGAON, Teh:- VAIJAPUR, Dist:- CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:- MAHARASHTRA Pin:-423701 have change my Name from SRI SHAMRAO to SHAMRAO KARBHARI MOHAN Vide affidavit No. BW 937787 Dated 08/01/2025 before Court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, MOHAN TAHNUBAI S Mother of Army No JC-773838X Rank:-SUB Name:- MOHAN BHAUSAHEB SHAMRAO Residing at Vill:-PANAV (KH) Post:-CHANDGAON, Teh:- VAIJAPUR, Dist:- CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:- MAHARASHTRA Pin:-423701 have change my Name from MOHAN TAHNUBAI S to TANHUBAI SHAMRAO MOHAN Vide affidavit No. BW 937788 Dated 08/01/2025 before Court campus Nasirabad

आम सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं मेरे पक्षकार श्री मुकेश पुत्र स्व. श्री धन्ना निवासी ग्राम बूबानी तहसील व जिला अजमेर की ओर से सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार के पक्ष मे उनकी माताजी श्रीमती छोटी देवी द्वारा दिनांक 19.12.2013 को एक वसीयत निष्पादित की गई है जो कि ग्राम बूबानी के खसरा सं. 2831, 3830, 2023, 126, 2804/3348, 2805, 2806, 2827, 416, 417, 2815 के सम्पूर्ण हिस्से की वसीयत मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित की गई है तथा मेरे द्वारा उक्त वर्णित खसरो का बैचान किया जा रहा है यदि किसी भी व्यक्ति को कोई उज्र एतराज व आपत्ति हो तो प्रकाशन की दिनांक से आगामी 7 दिवस मे अपनी आपत्ति दर्ज करे। गुजरने बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही होगी।

अजमेर — कपिल रोहिल्ला
दिनांक: 8-1-25 — एडवोकेट

NAME CHANGE

I, KRISHNA Son of Army No JC-773838X Rank:-SUB Name:- MOHAN BHAUSAHEB SHAMRAO Residing at Vill:-PANAV (KH) Post:-CHANDGAON, Teh:- VAIJAPUR, Dist:- CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:- MAHARASHTRA Pin:-423701 have change my Name from KRISHNA to KRISHNA BHAUSAHEB MOHAN Vide affidavit No. BW 937790 Dated 08/01/2025 before Court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No 6947458W Rank:-HAV Name:- AKUMALLA VEERA KUMAR Residing at Vill:- 2-4-92, KOTA GADDA STREET, GIDDALUR, Post:- GIDDALUR, Teh:- GIDDALUR, Dist:- PRAKASAM, State:-ANDHRA PRADESH Pin:- 523357 have change my Son's Name from AKUMALLA VEERA JAI AKIL to AKUMALLA VEERA JAI AKHIL Vide affidavit No. BW 937770 Dated 08/01/2025 before Court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No JC-773838X Rank:-SUB Name:- MOHAN BHAUSAHEB SHAMRAO Residing at Vill:- PANAV (KH) Post:- CHANDGAON, Teh:- VAIJAPUR, Dist:- CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:-MAHARASHTRA Pin:- 423701 have change my Daughter's Name from SAKSHI to SAKSHI BHAUSAHEB MOHAN Vide affidavit No. BW 937789 Dated 08/01/2025 before Court campus Nasirabad

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक: न.प.कि./PWC/BPAS-2005/2025/56 — **आम सूचना** — दिनांक: 08/01/2025

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री मनोहर लाल खटीक पुत्र श्री मगन लाल खटीक ग्राम सावंतसर, खसरा संख्या 502/30 के भूखण्ड सं. का कुल क्षेत्रफल 245.05 वर्गगज 'मेहनत नगर' जयपुर रोड मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व में : श्री बजरंग लाल खटीक का मकान — पश्चिम में : श्री मेहराम बलाई का मकान
उत्तर मे : श्री मदन लाल बागरिया का मकान — दक्षिण में : 20 फीट का रास्ता

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। -प्रभारी (भवन निर्माण स्वीकृति) नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक: न.प.कि./PWC/BPAS-2230/2025/52 — **आम सूचना** — दिनांक: 08/01/2025

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा सामरिया पनि योगेश कुमार ग्राम मदनगंज, खसरा संख्या 349 के भूखण्ड सं. ए-10 का कुल क्षेत्रफल 125.00 वर्गगज 'श्री विद्या सागर विहार कॉलोनी' कृष्णापुरी रेल्वे फाटक के बाहर मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व में : ब्लॉक ए का आवासीय भूखण्ड सं. ए-17 — पश्चिम में : 30 फीट चौडा रास्ता
उत्तर मे : ब्लॉक ए का आवासीय भूखण्ड सं. ए-09 — दक्षिण में : ब्लॉक ए का आवासीय भूखण्ड सं. ए-11

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। -प्रभारी (भवन निर्माण स्वीकृति) नगर परिषद, किशनगढ़

धूमधाम से मनाया जाएगा भीलवाड़ा महोत्सव-2025

- 7 से 9 फरवरी तक होगा आयोजन
- जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा महोत्सव 7 से 9 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर मेहता ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों तथा आयोजन समिति के सदस्यों से तैयारियों पर चर्चा की। मेहता ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर अलग-अलग कमेटियां बनाकर महोत्सव की तैयारियां की जायेगी।

जिला कलक्टर मेहता ने बताया कि भीलवाड़ा महोत्सव के साथ ही उद्योग एवं व्यापार मेला आयोजित किया जाएगा। शोभा यात्रा, स्टार नाईट समेत होगी रंगारंग कार्यक्रम - भीलवाड़ा महोत्सव के दौरान शोभा यात्रा, फूड फेस्टिवल, लोक नृत्य, स्टार नाईट म्युजिक फेस्टिवल, बुक फेयर, काईट फ्लाईंग, फ्लोरल शो, पेट शो, लोकल टेलेन्ट हंट - गायन, वादन, नृत्यन, मिमिकि, स्टेण्डअप कॉमेडी ,खेल प्रतियोगिताएं जैसे कुश्ती, क्रिकेट एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा। होगी एडवेन्चर एक्टीविटीज - एडवेन्चर एक्टीविटीज जैसे हॉट एयर बलून, जिप लाईन, वॉल क्लाईम्बिंग व साईकिल रेस, आर्ट एग्जीबिशन आर्ट फेस्ट, इको वाक-इको वाच-बर्ड वाच, लोक रंग प्रतियोगिताएं, पेंटिंग, माण्डना, रंगोली, मेंहदी, खाना खजाना, साफा-मूंछ प्रतियोगिता, चेयर, मटकी, चम्मच दौड़, रस्साकस्सी एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी होंगी। इसके पश्चात हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि भीलवाड़ा महोत्सव-2025 को एक व्यापक और आकर्षक आयोजन बनाने के लिए, हम विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और मनोरंजन गतिविधियों को इसमें शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि इस महोत्सव में भीलवाड़ा जिले के सभी आमजन शामिल हो सकें और इसका आनंद ले सकें। हम चाहते हैं कि यह महोत्सव एक अच्छा सांस्कृतिक आयोजन हो, जो लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े और उन्हें मनोरंजन का अवसर प्रदान करे। उपखंड स्तर पर भी होंगे आयोजन - भीलवाड़ा महोत्सव को और भी भव्य और आकर्षक बनाने के लिए, जिले के सभी उपखंडों में स्थित दर्शनीय स्थलों और धार्मिक स्थलों पर विशेष रोशनी और आयोजन किए जाएंगे।

स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, इस बार महोत्सव के आयोजन उपखंड स्तर पर भी किए जाएंगे, ताकि हर कोई अपने निकटतम स्थल पर ही आयोजनों का आनंद ले सके। इसके अलावा, इस बार महोत्सव में खेल आयोजनों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें कबड्डी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, और बैडमिंटन जैसे खेल शामिल होंगे। ये आयोजन न केवल स्थानीय युवाओं को प्रतिस्पर्धा का मौका देंगे, बल्कि महोत्सव को और भी रोमांचक बनाएंगे। इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को शामिल किया जाएगा, जिनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल आयोजन, संगीत और नृत्य प्रदर्शन, और अन्य मनोरंजन गतिविधियाँ शामिल होंगी। हमारा उद्देश्य है कि यह महोत्सव भीलवाड़ा जिले के लोगों के लिए एक यादगार और आनंददायक अनुभव हो। बैठक में एडीएम प्रशासन ओपी मेहरा, यूआईटी सचिव ललित गोयल, डीआईजी स्टाम्प मोहम्मद ताहिर, उपखंड अधिकारी दिव्यराज चुंडावत, जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक केके मीणा, क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेटवाल सहित अन्य अधिकारी एवं एनजीओ उपस्थित रहे।

महिला सुधार गृह का किया निरीक्षण

अजमेर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सचिव महेन्द्र कुमार ढ़ाबी एवं कारागृहों मे निरूद्ध पुराने बंदी एवं असाध्य रोगों से पीड़ित बंदीयों के लिए नवगठित समिति द्वारा केन्द्रीय कारागृह एवं महिला सुधार गृह अजमेर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा विजिटर्स कमरे की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों की सफाई रसोई की सफाई व्यवस्था, पीने के साफ पानी की व्यवस्था, शौचालयों, स्नानागारों की सफाई एवं रखरखाव एवं सीवरेज सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही कारागृहों मे निरूद्ध पुराने बंदी एवं असाध्य रोगों से पीड़ित बंदीयों के स्वास्थय के संबंध में जानकारी भी जानकारी प्राप्त की। वर्तमान में कारागृह में कुल 1099 बंदी एवं महिला जेल में 37 महिला बंदी मौजूद हैं। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक आर अनंतेश्वरन, महिला जेलर हिना खान एवं विधि महाविद्यालय के इन्टर्न भी उपस्थित रहें।

स्टोन टेक्नोलॉजी पर इंटरनेशनल सेमिनार कल किशनगढ़ में शुरू

- स्टोन के मूल्यवर्धित उत्पादों की नई मशीनरी और तकनीक पर होगी चर्चा

जयपुर ।भारत में स्टोन उद्योग के विकास के लिए काम करने वाली संस्था ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम (जीएसटीएफ) की ओर से आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार कल से किशनगढ़ में शुरू होगा।लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष और सेमिनार केसं योजक नटवरलाल अजमेरा ने बताया कि सेमिनार का आयोजन 9 से 10 जनवरी तक मार्बल एसोसिएशन ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

सेमिनार के पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में बदलती तकनीक में स्टोन उद्योग में हो रहे नवाचारों पर 11 विशेषज्ञ अपनी प्रेजेंटेशन देंगे, जिसमें इटली के 3 स्टोन विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।प्रथम सत्र का विषय है मूल्य सृजन में नवाचार: पत्थर उद्योग के अपशिष्ट को अवसरों में बदलना, जिसमें राजेश शर्मा वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीबीआरआई, रुड़की पत्थर अपशिष्ट उपयोग और उन्नत सामग्री विकास में सतत प्रौद्योगिकी नवाचारों पर तथा डॉ. रवींद्र नागर प्रोफेसर, एमएनआईटी पत्थर काटने के अपशिष्ट का टिकाऊ निर्माण सामग्री के उत्पादन में उपयोग पर प्रस्तुति देंगे।

दूसरा सत्र पत्थर प्रसंस्करण में उन्नत प्रौद्योगिकी: भविष्य के लिए उपकरण पर केंद्रित होगा। इस सत्र में तीन अंतरराष्ट्रीय पत्थर विशेषज्ञ अपनी प्रस्तुति देंगे, जिनमें सैम जावदी, वरिष्ठ प्रतिनिधि, पेड्रिनी, इटली पत्थर प्रसंस्करण में नवाचार- रोबोटिक लाइन, मल्टी वायर माइक्रोवेव रेजिन लाइन और इसके फायदे, पिएरो बेटिनी, कंसलटेंट, इटली आयाम पत्थर की संभावना और विकास पर तथा इमैनुअल डी. वॉकर बिजनेस हेड, दक्षिण एशिया, सेलेनीज़ नवीनतम सतह परिष्करण और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी पर शोधपरक प्रस्तुति देंगे।

इसी तरह, तीसरा सत्र वैश्विक विकास: निर्यात संवर्धन, नीतियां और पत्थर उद्योग में कौशल थीम पर आधारित है। राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद के महाप्रबंधक पंकज राव निर्यात संवर्धन के लिए सरकारी पहलों पर, निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड के शाखा प्रबंधक आदित्य सिंह ईसीजीसी: ऋण जोखिम न्यूनीकरण के माध्यम से निर्यात बढ़ाना, राजस्थान सरकार के उद्योग विभाग की संयुक्त आयुक्त शिल्पा गोखरू रिप्स-2024 के लाभ और मुख्य विशेषताओं पर तथा एनएसडीसी के पश्चिम क्षेत्रीय प्रमुख मोहम्मद कलाम कौशल पहलों पर बात करेंगे।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मूल दस्तावेज गुज हो जाने पर फ्री होल्ड पट्टा जारी करने के क्रम आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की हरिभाऊ उपाध्याय नगर अजमेर में आवासगृह संख्या 267, श्री उमेश चन्द्र पुत्र श्री मदनलाल को आवंटित किया गया। जिसका पट्टा क्रमांक 1432 दिनांक 18.02.2011 को जारी किया गया। उक्त आवासगृह का बेचान जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर दशरथ कुमार सैन पुत्र श्री सुगनचन्द सैन एवं श्रीमती अनिता सैन पत्नी श्री दशरथ कुमार सैन को कर दिया है। श्री दशरथ कुमार सैन पुत्र श्री सुगनचन्द सैन एवं श्रीमती अनिता सैन पत्नी श्री दशरथ कुमार सैन द्वारा शपथ पत्र व गुमशुदगी रिर्पोट प्रस्तुत कर अवगत कराया की मूल पट्टा/लिंक दस्तावेज गुम हो गये है। अतः आवासगृह संख्या 267, हरिभाऊ उपाध्याय नगर अजमेर, का फ्री होल्ड पट्टा श्री दशरथ कुमार सैन पुत्र श्री सुगनचन्द सैन एवं श्रीमती अनिता सैन पत्नी श्री दशरथ कुमार सैन को जारी किये जाने से किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के भीतर अपनी आपति प्रस्तुत कर देवे। उक्त नियत अवधि के पश्चात् आपति स्वीकार नही होगी फ्री होल्ड का पट्टा जारी कर दिया जायेगा।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ/24-25/भवन/726 — दिनांक: 8-1-25

आपति सूचना

श्रीमति राखी टोनी पत्नि श्री श्रवण कुमार टोनी निवासी 33/10 यू.आई.टी. कॉलोनी समगंज अजमेर द्वारा एक सम्पति जिस पर ए.एम.सी. नं. 7/7897 / 780, 14/86 जो कि वाके नाथ मौहल्ला ठठेरा चौक डिग्गी बाजार अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 39.98 वर्गमीटर है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार हैं।

पूर्व - सम्पति ए.एम.सी नं. 14/70 — पश्चिम - सीसी रोड आम रास्ता
उत्तर - सम्पति ए.एम.सी. नं. 14/67 — दक्षिण - सम्पति ए.एम.सी. नं. 14/69

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान-ब्यावर रोड, बिजयनगर
टेलीफोन नम्बर - 01462-230051 — ई-मेल:- npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक/नपाबि./भूमि/2025/4954 — **आपति सूचना** — दिनांक: 8/1/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि पालिका/पैराफेरी क्षेत्र में निम्न आवेदक द्वारा अपने भूखण्डों/मकानों के पास स्थित अधिक/खांया भूमि के नियमन करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को आपति हो तो अपनी आपति सूचना जारी होने की तिथि से 7 योग में नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। समय उपरान्त प्राप्त आपति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम आवेदक	क्षेत्र	क्षेत्रफल
1.	श्रीमती आशा शम्भवानी पत्नी श्री वासुदेव शम्भवानी	बजरंग कॉलोनी बरल द्वितीय के खसरा नम्बर 812, 813 में भूखण्ड संख्या 02 का भाग प्रा.नं. 02ई के दक्षिण दिशा की ओर स्थित खांया भूमि।	64.76 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा (राज0)

प्ररूप-10 नियम 6 (7) देखिए
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा
सं. : 1633-37 — दिनांक : 07/1/2025

लोक सूचना

आवेदकगण श्री विपिन मेहता पुत्र श्री विनोद कुमार मेहता निवासी गुलाबपुरा जिला भीलवाडा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्

जिले सहित	तहसील का नाम	ग्राम का नाम खसरा सं.	क्षेत्र
राजस्व ग्राम गुलाबपुरा - द्वितीय	हुरड़ा	राजस्व ग्राम गुलाबपुरा-द्वितीय के खसरा संख्या-5496/5486, 5511/5485, 5494/54845509/5483	कुल क्षेत्रफल 0.2126 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी को आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 07/1/2025 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद् पुष्कर (अजमेर)

क्रमांक/न.पा.बि./भूमि/2024/3465 — दिनांक : 08-01-2025

लोक सूचना

आवेदक श्री हरजी राम पुत्र श्री रामुराम कड़वा, शिव विहार कॉलोनी गोविन्दगढ रोड गनाहेडा पुष्कर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषि प्रयोजन (व्यवसायिक प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा सं.	क्षेत्र
पुष्कर जिला अजमेर	गनाहेडा तहसील पुष्कर	खसरा नं 3322/1657 गनाहेडा पुष्कर	क्षेत्रफल 1133 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों को साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .....को जारी की गयी।

आयुक्त नगर परिषद पुष्कर

जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों का विरोध बढ़ा, पुलिस ने खदेड़ा

ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव किया, पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया

नागौर, (निसं)। जिले के सरासनी गांव में एक निजी कंपनी के विरोध में धरना दे रहे किसान और पुलिस बुधवार को आमने-सामने हो गए। जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों का विरोध बढ़ गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव किया तो पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

इस बीच कुछ लोगों ने एक खेत में आग लगा दी। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। वहीं, इस घटना पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पुलिस लाठीचार्ज को निंदनीय बताया है।

जानकारी के मुताबिक जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के विरोध में किसान 134 दिन से धरना दे रहे थे। इस बीच बुधवार को निजी कंपनी की ओर से हरिमा, सरासनी आदि गांव में जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही थी। इस बीच धरने पर बैठे ग्रामीणों का विरोध बढ़ गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया तो पुलिस ने भी लोगों को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। कुछ लोगों ने खेत में आग लगा दी।

सरासनी गांव में जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों के विरोध करने पर पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

घटना के बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कि कंपनी की ओर से हरिमा, सरासनी आदि गांव में जमीन खरीदी गई है। सरासनी के किसानों का आरोप है कि उनकी जमीनें 8 लाख रुपए प्रति बीघा में खरीदी गई और सही कीमत नहीं दी। इसी को लेकर यह धरना चल रहा था। कंपनी ने बुधवार को काम शुरू किया तो विवाद बढ़ गया।

जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने बुलाई बैठक :- इस पूरे मामले के बाद नागौर जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने एक बैठक बुलाई है। इस बैठक में कंपनी और विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रतिनिधि मंडल को बुलाया गया है। किसान इस बात पर अड़े हैं कि जमीनों के जो पैसे हैं उनके दाम बढ़ाकर दिए जाएं, फिलहाल पूरे मामले में जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस जाप्ता तैनात:- जायल डिप्टी खेमाराम बिजारणियां ने बताया कि कंपनी के काम शुरू करने के दौरान पुलिस भी मौजूद रही। किसानों ने विरोध किया और पत्थरबाजी हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इसी बीच कुछ लोगों ने एक खेत में आग भी लगा दी। घटना के बाद सरासनी गांव में भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है।

- **कुछ लोगों ने एक खेत में आग लगा दी, मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, पुलिस जाप्ता तैनात**

मकान तोड़ने के मामले में हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जालोर जिले में राजपूत समाज के लोगों के मकान तोड़ने पर रोक लगा दी है। कोर्ट में इस मामले को लेकर सुनवाई की गई थी जिसमें लक सिंह, देवी सिंह और मोहन सिंह की ओर से याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से निखिल भंडारी ने पैरवी की।

ग्राम डूडसी निवासी लखसिंह, देवीसिंह व मोहनसिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में एक रिट याचिका तथा स्थगन प्रार्थना-पत्र एडवोकेट निखिल भण्डारी के मार्फत पेश किया था। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने बहस करते हुए हाईकोर्ट को यह बताया कि प्रार्थी कई पीढ़ियों से ग्राम डूडसी के खसरा नम्बर 655 में पिछले 60 वर्षों से निवास कर रहे हैं। उनके पास जमीन की जमाबन्दी तथा नक्शा भी मौजूद हैं। वे भूमि की बीगोड़ी/टैक्स भी सम्बन्धित विभाग में जमा कराते हैं, जिसकी सनद भी जारी हो चुकी है। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने बहस करते हुए यह भी बताया कि उन्होंने रिट याचिका के साथ प्रार्थीगणों के पुराने पक्के मकान के फोटो भी प्रस्तुत कर रखे हैं, लेकिन जालोर तहसीलदार, उपखण्ड अधिकारी व जिला कलेक्टर प्रार्थीगणों के निर्माण तोड़कर उन्हें बेघर व बेकब्जा करना चाहते हैं, जो कि अनुचित व अवैध है। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट से यह अनुरोध किया कि अप्रार्थीगणों को ऐसा करने से रोका जाए। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर ने सुनवाई के बाद अप्रार्थीगणों को नोटिस जारी कर लखसिंह, देवीसिंह व मोहन सिंह के मकान व निर्माण को तोड़ने व उन्हें बेकब्जा करने पर तुरन्त प्रभाव से रोक लगा दी।

अफीम का दूध जप्त, एक बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तीन लाख रूपये का अवैध अफीम दूध जब्त कर एक आरोपी को गिरपतार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रोबेशनर आईपीएस माधव उपाध्याय व प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने आसूचना के सहयोग से देबारी क्षैत्र से शंभूसिंह पुत्र भंवरसिंह निवासी नला फला देबारी प्रतापनगर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से तीन लाख रूपये मूल्य का अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के तहत)

1. **राजस्थान IV 4A पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016** में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (1) के तहत पारेषण लाइनों, उप-स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक आवेदन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र. सं.	लाइन/सबस्टेशन का नाम (नोट के अनुसार स्थान)	बीपीसी की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार लाइन की लंबाई/क्षमता	वार्षिक ट्रांसमिशन शुल्क (आईएनआर) मिलियन प्रति वर्ष	कमीशनिंग शेडयूल	टिप्पणी
1.	765/400 केवी घिरोर (जिला मैनपुरी) सब-स्टेशन और संबंधित उपकरण।	3000 एमवीए, 730 एमवीएआर (बीआर) 1380 एमवीएआर (एसएलआर)	5979.29	असरदार तारीख यानी 30.12.2024 से 24 महीने	
2.	बाड़मेर-I पूलिंग सब-स्टेशन पर संवर्द्धन कार्य संबंधित खण्डों के साथ	5500 एमवीए			
3.	स्टेटकॉम (2x±300 एमवीएआर) के साथ एमएससी (4x125 एमवीएआर) और एमएसआर (2x125 एमवीएआर) के साथ-साथ बाड़मेर-I पीएस में 2 नग 400 केवी बे	600 एमवीएआर			
4.	400 केवी फतेहगढ़-IV पीएस (सेक्शन-2)-बाड़मेर-I पीएस डी/सी लाइन (क्वाड)	39.588 किमी			
5.	फतेहगढ़-IV पीएस (सेक्शन-2) पर 2 नग 400 केवी लाइन बे				
6.	765 केवी दौसा-घिरोर डी/सी लाइन	283.046 किमी			
7.	घिरोर एस/एस पर 765 केवी अलीगढ़ (पीजी)-उरई (पीजी) डी/सी लाइन के दोनों सर्किट का एलआईएलओ	34.83 किमी			
8.	घिरोर में 765 केवी आगरा (पीजी)-फतेहपुर (पीजी) 2Xएस/सी लाइन के एक सर्किट का एलआईएलओ	26.137 कि.मी			
9.	400 केवी घिरोर-फिरोजाबाद (यूपीपीटीसीएल) डी/सी लाइन (क्वाड)	43.281 कि.मी			
10.	दौसा एस/एस पर 2 नग 765 केवी लाइन बे	480 एमवीएआर (एसएलआर)			
11.	फिरोजाबाद (यूपीपीटीसीएल) एस/एस में 2 नग 400 केवी लाइन बे				

नोट: (i) तत्व 1, 7,8, 9, और 11 के स्थान उत्तर प्रदेश राज्य में हैं; तत्व 2,3,4,5 और 10 का स्थान राजस्थान में है, और तत्व 6 का स्थान उत्तर प्रदेश और राजस्थान दोनों में है।
(ii) पूर्ण दायरे के लिए कृपया **https://www.powergrid.in@subsidiaries** पर जाएं

2. आयोग के समक्ष दायर पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **https://www.powergrid.in/subsidiaries** पर किसी भी व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के सी/ओ ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में, श्री प्रेम प्रकाश राय, परियोजना प्रभारी, राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग का कार्यालय के साथ भी किया जा सकता है।
3. आपत्ति या सुझाव, यदि कोई हो, आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट, अखबार में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 7 वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष आपत्ति (ओं)/सुझाव (ओं) की एक प्रति के साथ दायर किया जाना चाहिए।

श्री प्रेम प्रकाश राय,
परियोजना प्रभारी,
राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

स्थान: नई दिल्ली
तारीख: 09.01.2025

कोचिंग छात्र के बैंक खाते में फ्रॉड राशि का लेनदेन, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले एक छात्र के बैंक खाते का दुरुपयोग कर इसमें फ्रॉड की राशि के लेनदेन का मामला साइबर थाने में दर्ज हुआ है। कोचिंग स्टूडेंट को लोन दिलाने के बहाने उसके एक दोस्त ने उससे डॉक्यूमेंट लिए। बाद में लोन की प्रोसेस पूरी करने के नाम पर खाते की पास बुक और एटीएम आदि अपने पास रख लिए। पीड़ित स्टूडेंट के मोबाइल नंबर की जगह अपना नंबर अपडेट करवा लिया और साइबर फ्रॉड की राशि का लेनदेन खाते में कर दिया। कोचिंग स्टूडेंट को अपने साथ हुए धोखे का तब पता तब लगा जब उसे हरियाणा पुलिस से मिली टेलीफोन कॉल से उसके खाते में फ्रॉड राशि के लेनदेन का पता लगा। इस पर उसने साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया।

पीड़ित स्टूडेंट ने बताया कि वह शहर के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ता है। पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान एक साथी स्टूडेंट से हुई। वह उसके किराए के कमरे पर आने जाने लगा। इसी दौरान पास के गांव में रहने वाली पीड़ित की बहन ने उसे अपने घर रहने का ऑफर दिया। इसे पीड़ित ने मान लिया। पीड़ित ने बताया कि उसे कोचिंग इंस्टीट्यूट से शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर गांव आने जाने के लिए बाइक की जरूरत थी। उसने इस संबंध अपने साथी स्टूडेंट से बात की। उसके साथी स्टूडेंट ने उसे लोन का काम करने वाले एक व्यक्ति से मिलवाया। पीड़ित के साथी स्टूडेंट ने उसे कहा कि लोन के लिए उसका बैंक खाता खुलवाना जरूरी है। वह इसके लिए पीड़ित को मीरा चौक स्थित बैंक में ले गया। वहां उसका खाता खुलवाया और लोन प्रोसेस करवाने के नाम पर उसकी बैंक पास बुक, एटीएम कार्ड आदि अपने पास रख लिए। बाद में आरोपी साथी स्टूडेंट ने पीड़ित को बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर लोन से जुड़े ओटीपी नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में बैंक खाते में मोबाइल नंबर बदलना होगा। आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल नंबर की जगह अपना बताया एक मोबाइल नंबर पीड़ित के बैंक खाते में अपडेट करवा दिया। इसके बाद आरोपी में इसमें फ्रॉड की राशि का लेनदेन करने लगा। पीड़ित ने बताया कि पिछले दिनों उसे हरियाणा पुलिस से आए फोन कॉल से उसके खाते का दुरुपयोग होने की जानकारी मिली। पुलिस ने उसके खाते से बड़ी राशि का लेनदेन होने की जानकारी दी। इस पर उसे अपने साथ हुए धोखे का पता लगा।

- **दोस्त ने धोखे से बैंक अकाउंट खुलवाया, मोबाइल नंबर बदलकर की धोखाधड़ी**

जैसलमेर में पर्यटन व्यवसायी के शोरूम में जीएसटी की रेड

बताया जा रहा है कि जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर टीम सर्वे कर रही है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर स्थित जैसलमेर आर्ट एंड क्राफ्ट के शोरूम में बुधवार को एसजीएसटी की टीम ने दबिश दी। बताया जा रहा है कि जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर टीम सर्वे कर रही है।

स्टेट जीएसटी जैसलमेर की सीटीओ पंकज पंवार के नेतृत्व में टीम शोरूम पहुंची और सर्वे की कार्रवाई शुरू की। टीम शोरूम में बिना बिलों के बेचे जा रहे माल की शिकायत पर आई है। टीम बिलों और काग़ज़ों की पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान शोरूम के स्टॉफ को अंदर-बाहर नहीं होने दिया गया। गौरतलब है कि सोनार किले की पार्किंग में स्थित जैसलमेर आर्ट एंड क्राफ्ट शोरूम में हैंडीक्राफ्ट के आइटम की बिक्री होती है। पिछले दिनों जैसलमेर में लगी सैलानियों की भीड़ में जैसलमेर में काफी बिजनेस हुआ है। सैलानियों ने जमकर ख़रीदारी की है। शहर के वरिष्ठ नागरीक प्रेमनारायण ने बताया कि पर्यटन व्यवसाय में लगे चांदी के जेवर बेचने वाले सालाना करोड़ों रूपये की जीएसटी की चोरी कर रहे हैं, परन्तु विभाग नींद में सो रहा है।

जानकारी के अनुसार शोरूम में जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर और जीएसटी बिलो में हेराफेरी को लेकर स्टेट जीएसटी की टीम पहुंची है और सर्वे कार्य देर शाम तक जारी है। शहर में जीएसटी टीम की दबिश को लेकर व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ दिखा।

भाइयों से मारपीट करने के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शराब के लिए पैसे नहीं देने पर दो भाइयों को मारपीट कर घायल कर दिया था। दोनों बदमाश करीब तीन माह से फरार चल रहे थे। वहीं दोनों पर पांच-पांच हजार का इनाम घोषित था।

कोतवाली थाने के सीआई ने बताया कि साबली निवासी सुनील डोडा ने रिपोर्ट में बताया था कि 12 अक्टूबर 2024 को वह और उसका भाई गलंदर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता से डूंगरपुर की तरफ आ रहे थे। इस दौरान नवाडेरा के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर उनसे शराब के लिए पैसे मांगे,लेकिन जब उन्होंने पैसे देने से मना किया तो बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों भाई जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर वहा से बच निकले थे।

पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाशी की,लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने बोरी गांव निवासी मनीष पुत्र ईश्वरलाल गमेती और रवि पुत्र मोहनलाल आमलिया को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले में दोनों ही आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

- **शराब के लिए पैसे नहीं देने पर घायल किया था**

घर के बाहर खेल रहे पांच साल के बच्चे का अपहरण

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां आर्किटेक्ट के पांच साल के बेटे का किडनैप हो गया। बाइक सवार बदमाश बच्चे को बीच में बैठाकर ले गए। इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें बदमाश बच्चे को ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके आधार पर सदर थाना पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। नाकाबंदी भी कराई गई है।

जानकारी के अनुसार रामदेव कॉलोनी की गली नंबर 9, 5-ई छोटी निवासी रुद्र (5) बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे दादा के साथ घर के बाहर खेल रहा था। दादा एक मिनट के लिए घर के अंदर गए। इस दौरान बाइक पर दो बदमाश आए और बच्चे को उठाकर बाइक पर ले गए। जब दादा वापस बाहर आए तो रुद्र उन्हें गायब मिला। हड़कंप मचने पर परिजन बाहर आए और पुलिस को इसकी सूचना दी। अपहरण के करीब एक से डेढ़ घंटे बाद बच्चे के दादा भारत भूषण समरसोत (55) के मोबाइल फोन पर एक वीडियो फुटेज प्राप्त हुआ। इसमें बच्चा खेत में मिट्टी में खेलता नजर आ रहा है। पुलिस इसी आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि प्रथमदृष्टया बच्चे का अपहरण किसी परिचित के करने की आशंका है। अपहरण के समय आसपास मौजूद लोगों का कहना था कि बच्चे को जिस तरह से दो युवक लेकर गए, उससे ऐसा नहीं लगता है कि वे बच्चे से परिचित नहीं थे। दादा भारतभूषण समरसोत का कहना है कि उनका किसी से कोई बैर नहीं है, न ही किसी ने फिरौती के लिए कॉल किया है। रुद्र के पिता करण समरसोत (30) रामदेव कॉलोनी स्थित घर में ही रुद्र आर्किटेक्ट एंड कंसल्टेंट फर्म चलाते हैं। रुद्र की छोटी बहन कनु छह महीने की है। जब बच्चे का किडनैप हुआ, तब मां प्रियंका (25), पिता करण और छोटी बहन घर के अंदर ही थे।

- **बाइक पर आए थे दो बदमाश, दादा के मोबाइल पर बच्चे का फुटेज भेजा**
- **'प्रथमदृष्टया बच्चे का अपहरण किसी परिचित के द्वारा करने की आशंका है'**

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर - 342001

क्रमांक :-जोविप्रा/2024-25/जोन मुख्यालय/2075 दिनांक : 07.01.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या -मुख्यालय/36 & 37/2024-25 ::

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था (निविदा सूचना सं. 36/2024-25) तथा प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो एवं फर्मो (निविदा सूचना सं. 37/2024-25) से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।

UBN No. :- JOD2425GSOB00309, JOD2425WSOB00308

राज.संवाद/सी/24/10037 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली

जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली

फोन नं. 02932-223222 ई मेल- uitpali@gmail.com

क्रमांक : न्या.पा./विज्ञापन/2025/2263 दिनांक : 07.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-30/2024-25

नगर विकास न्यास, पाली की और से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण **http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00047

राज.संवाद/सी/24/10035 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक : नपजा/विकास/2024-25/5526 दिनांक : 02.01.2025

:: ई-निविदा सूचना 08/2024-25 ::

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण व ठोस कचरा प्रबंधन कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार एवं मान्यता प्राप्त यथा: नगर निगम/परिषद/पालिका एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में E-Procurement प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** डाउनलोड व अपलोड एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते है।

S.N.	Work no.	NIB No.
1	2	DLB2425A4713

राज.संवाद/सी/24/10024 प्रशासक नगर परिषद, जालोर आयुक्त नगर परिषद, जालोर

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 9413044271 / 8209938201 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ( )/कृअके/2024-25/152-156 दिनांक 04.01.2025

निविदा सूचना (2024-25)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 15.01.2025 दोपहर 1.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा की जाकर अपरान्ह 2.30 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म बांसवाड़ा पर मक्का बीज उत्पादन कार्यक्रम में कृषि कार्य।	2,31,400/-	5000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी

जनवरी-II एवं फरवरी-I, 2025

307 भूखण्ड/दुकान/गोदाम

68 व्यावसायिक भूखण्ड

34 लोहा मण्डी माचेड़ा फेज-1, जयपुर
01 जस्टिस दौलतमल भण्डारी नगर, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1849
03 वेस्ट वे हाईट्स स्कीम, जयपुर
09 शौर्य नगर स्कीम, जयपुर
03 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
04 रियासत रेजिडेंसी जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033
01 कृष्णा सरोवर, जयपुर
02 न्यू आतिश मार्केट स्कीम, जयपुर
01 मोजी विहार जयपुर
01 रियासत टाउन ग्रीन स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2092
02 लालकोठी स्कीम, जयपुर
04 इंस्टिट्यूशनल स्कीम, ग्राम-देहमीकलां, जयपुर
01 गोल्डन रेजिडेंसी स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/595
01 हरित विहार स्कीम, जयपुर
01 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1799

156 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड

17 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-खटवाड़ा, जयपुर
12 रिंग रोड ग्राम-सीताराम पुरा योजना, जयपुर
09 रिंग रोड परियोजना ग्राम- अजयराजपुरा, जयपुर
09 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-अचरावाला, जयपुर
31 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-मुहाना, जयपुर
13 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-पीपला, जयपुर
06 रिंग रोड परियोजना ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया, जयपुर
21 रिंग रोड परियोजना ग्राम-अभयपुरा, जयपुर
02 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-खोड़ी गोकुलपुरा, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-सूरजपुरा जयपुर
10 रिंग रोड ग्राम-जयसिंहपुरा बुहारिया योजना, जयपुर
07 रिंग रोड परियोजना ग्राम-चिमनपुरा, जयपुर
03 रिंग रोड परियोजना ग्राम-शिवदासपुरा, जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम-महापुरा, जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम -सिरौली, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-रातल्या, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम कानड़वास, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम-मनोहरियावाला, जयपुर
04 मेट्रो एन्क्लेव, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2019/1133

60 आवासीय भूखण्ड

02 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937
01 निलय कुंज जयपुर
03 कल्पना नगर, जयपुर
01 ग्राम-हरगुन की नांगल उर्फ चारणवाला तह. सांगानेर योजना, जयपुर
22 शांति नगर, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2517
08 स्वर्ण विहार, जयपुर
02 आनंद विहार योजना, जयपुर
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
03 लोहामंडी मचेड़ा फेज-I, जयपुर
09 रोहिणी नगर-I, जयपुर
01 विद्याधर नगर सेक्टर-9 योजना, जयपुर
05 ग्राम-सवाई गैटोरे तह. सांगानेर, जयपुर
01 ग्राम-सिरसी, जयपुर
01 शौर्य नगर योजना, जयपुर

03 दुकान

03 एसएमएस अस्पताल को ट्रॉमा सेंटर जयपुर से जोड़ने के लिए अंडरपास

01 इंस्टीट्यूशनल

01 रामचन्द्रपुरा, योजना, जगतपुरा, जयपुर

06 फार्म हाउस भूखण्ड

06 गोविंदपुरा रोपड़ा योजना, जयपुर

04 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड

02 ग्रुप हाउसिंग योजना ग्राम-गोनेर, जयपुर
01 हरित विहार योजना, जयपुर
01 मानपुरा टीलावाला योजना, जयपुर

01 रिसॉर्ट

01 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937

01 रेस्टोरेंट/कैफेटेरिया

01 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937

02 सर्विस यार्ड (टाईप-ए)

02 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

02 सर्विस यार्ड (टाईप-बी)

02 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

03 गोदाम (टाईप-बी)

03 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/10044

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462-569-696
रेरा वेबसाईट: http://rera.rajasthan.gov.in
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट
www.jda.rajasthan.gov.in

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

सरल प्रावधानों को समाहित कर आमजन को लाभान्वित करें : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश दिए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवा, महिला, किसान एवं गरीब के सर्वांगीण विकास को केन्द्र बिन्दु मानते हुए अधिकारियों को नीति-निर्धारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आकर्षक, सुस्पष्ट एवं सुसंगत नीतियों के निर्माण में नवाचारों को प्राथमिकता से शामिल किया जाए। शर्मा ने नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार 8 करोड़ प्रदेशवासियों के चहुंमुखी विकास और कल्याण के लिये कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से जनता को सुशासन देना ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही राजस्थान सहकारिता अधिनियम-2025 लेकर आएगी, जिसमें पारदर्शिता और जवाबदेहिता सुनिश्चित करने वाले प्रावधान जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं से कई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। शर्मा ने सहकारिता बैंक एवं वित्तीय संस्थानों की नियमित ऑडिट करने के संबंध में नए अधिनियम में प्रावधानों को जोड़ने के लिए निर्देशित किया ताकि ये संस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों। उन्होंने गृह निर्माण सहकारी समितियों के पंजीकरण के संबंध में भी सुस्पष्ट प्रावधान शामिल करने के लिए निर्देशित किया।

- लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों को लेकर समीक्षा बैठक
- 'युवा, महिला, किसान एवं गरीब का सर्वांगीण विकास ही हमारी नीतियों का केन्द्र बिन्दु'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शर्मा ने कहा कि युवाओं का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाने जा रही है। उन्होंने खेल एवं युवा मामलात् विभाग के अधिकारियों को इस नीति में युवाओं की आवश्यकताओं एवं आशाओं के दृष्टिगत प्रावधानों को समाहित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने कहा कि खेल नीति में खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन देते हुए उन्हें संबल देने के विशेष प्रावधान किए जाएं। नीति के प्रावधान आकर्षक होने के साथ-साथ व्यवहारिक हों। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के दस्तावेज सत्यापन के संबंध में एक नोडल विभाग के निर्धारण के निर्देश भी प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने खिलाड़ियों से संबंधित सभी रिकॉर्ड्स के संधारण करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रस्तावित वैट अधिनियम और आबकारी कानून के संदर्भ में अधिकारियों को अन्य राज्यों में लागू कानूनों का अध्ययन करते हुए नवाचारों को समाहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्टेट फिस्कल पॉलिसी में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने संबंधी प्रावधान जोड़ने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य युवाओं में कौशल क्षमता का विकास करते हुए उन्हें प्रोत्साहित करना है, इसलिए नीति को रोजगारोन्मुखी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान कृषि विकास योजना, एग्रो प्रोसेसिंग नीति, लैंड एग्रीगेशन और मोनेटाइजेशन पॉलिसी, इंडस्ट्रियल पॉलिसी, गारमेंट एंड अपैरल पॉलिसी, राजस्थान वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक पॉलिसी, डाटा सेंटर पॉलिसी, नई पर्यटन नीति, ट्रांसफर ऑफ इंडस्ट्रियल लैंड्स वैलिडेशन एक्ट एवं राजस्थान कोचिंग सेंटर कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान में किये 350 करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में निष्पादित किए गए एमओयू एक के बाद एक धरातल पर उतर रहे हैं। रीको द्वारा तीन और कम्पनियों इंडियन एक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड, सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड और स्टेनवैक (सुपेरॉन ग्रुप) को औद्योगिक इकाई लगाने कें लिए भूखण्ड आवंटित कर दिए गए हैं। इनमें इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड को भीलवाड़ा जिले के उखलिया सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित भूखण्ड औद्योगिक क्षेत्र, सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड को माथासुला औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर एवं स्टेनवैक को सालरपुर औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी में भूमि उपलब्ध करवाई गई है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान इन तीनों कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश करने में रूचि दिखाते हुए राज्य सरकार के साथ एमओयू किए थे। एमओयू के पश्चात् रीको ने भूमि आवटंन से लेकर परियोजना की शुरूआत तक, सभी प्रक्रियाओं को कम्पनियों के लिए बहुत आसान बनाया। भूखण्ड उपलब्ध होने के पश्चात्

- तीन कम्पनियां राज्य में करेंगी 350 करोड़ रुपये का निवेश

कम्पनियों द्वारा जल्द ही औद्योगिक इकाई के परिचालन का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड (ऑस्ट्रेलियाई बहुराष्ट्रीय कम्पनी की भारतीय सहायक कंपनी) को वेदांता की खदानों के पास ही भूमि की आवश्यकता होने के कारण भीलवाड़ा जिले के उखलिया औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटन किया गया हैं।

इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड 50 करोड़ रुपये के चरणबद्ध निवेशे व 10 एकड़ भूमि पर अपनी परिचालन प्रक्रिया शुरू करके रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेगी जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान होगा। इस नई इकाई का लक्ष्य राजस्थान में नॉइज टैक्नोलॉजी पर आधारित प्लांट के निर्माण पर होगा। यह तकनीक विशेष रूप से खनन सहित कई औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक है। कम्पनी विस्फोटकों, ब्लास्टिगं सिस्टम, खनन रसायनों और भू-तकनीकी निगरानी समाधानों की विश्व में अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता है। ग्रीन टेक सेक्टर की कंपनी सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड माथासुला औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर में 10 एकड़ भूमि पर 200 कराडे का निवेश करने के साथ लगभग 800 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगी। राजस्थान में शुरू होने जा रही कम्पनी की यह नई इकाई भारत के साल 2030 तक 500 गीगावॉट के रिन्यू बलेनर्जी कैपेसिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगी।

रीको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में कई बड़ी कम्पनियों ने राजस्थान में अपनी औद्योगिक इकाई लगाने के लिए एमओयू किए जो उनका राज्य सरकार एवं यहां की औद्योगिक नीतियों के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है। इसी विश्वास पर खरा उतरने के लिए रीको प्रयासरत है। हाल ही रीको ने इंजीनियरिंग, ग्रीन टेक सेक्टर एवं खनन क्षेत्र की तीन अग्रणी कम्पनियों को भूखण्ड आवंटित किए हैं। ये तीनों क्षेत्र ही ऐसे हैं जो राज्य ही नहीं देश के आर्थिक विकास के लिए भी मजबूत स्तम्भ साबित हो रहे हैं। जिन कम्पनियों ने एमओयू किए हैं, उन्हें भू खण्ड आवंटन हेतु रीको कटिबद्ध है।

सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति की नीतियां कोर्ट में पेश करें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार और कई सरकारी कॉर्पोरेशन जैसे रीको व रोडवेज तथा स्वायत्तशाषी संस्थाओं में पैनल लॉयर व सरकारी अधिवक्ता नियुक्त किये जाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में न्यायाधीश समीर जैन ने 17 जनवरी 2023 को आदेश दिए थे कि राज्य व केन्द्र सरकार अधिवक्ताओं की नियुक्ति से पहले अपनी-अपनी नीतियां कोर्ट के समक्ष पेश करें, क्योंकि याचिकाकर्ता शेख बाबरूद्दीन की याचिका में कहा गया था कि राजनैतिक हितों को देखते हुए अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाती है। इसमें योग्यता को देखते हुए कोई मैरिट व्यवस्था नहीं है।

इस मामले में न्यायाधीश समीर जैन ने अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को नाम लेकर घोषित किया था और राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य को भी अदालत की सहायता के लिए कहा था। बुधवार को सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता आर.डी.रस्तोगी तथा राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पैरवी के लिए पेश हुए थे। राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि राज्य सरकार अपनी नियुक्ति नीति जल्द ही अदालत में पेश कर देगी, परंतु कॉर्पोरेशन व स्वायत्तशाषी संस्थाओं की ओर से इस बारे में जवाब उन्हीं को देना पड़ेगा, क्योंकि यह संस्थाएं सीधे तौर पर सरकार के अधीन नहीं आती है। इस पर अदालत ने इस प्रकरण की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार को जवाब पेश करने को कहा है।

सादगी से मनाया जायेगा वासुदेव देवनानी का जन्मदिन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर चार दिवसीय कार्यक्रम होंगे। देवनानी का जन्मदिन जयपुर और अजमेर में 9 से 12 जनवरी तक मनाया जायेगा। इस मौके पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रम सनातन संस्कृति के अनुरूप सादगी के साथ वैदिक परम्पराओं से आयोजित होंगे। हवन, पूजा, सुन्दरकाण्ड, आरती, कम्बल वितरण, गौ सेवा, मानव सेवा, अजमेर के जे.एल.एन अस्पताल को ट्रोली व व्हील चेयर वितरण और रक्तदान सहित अनेक कार्यक्रम इस दौरान आयोजित किये जाएंगे। देवनानी का जन्म दिवस 11 जनवरी को है। विधानसभाध्यक्ष के जन्मदिवस की वर्षगांठ पर 9 जनवरी को विधानसभा परिसर में स्थित श्रीविधानेश्वर शिव मंदिर में भक्तिभाव के साथ पवित्र सुन्दरकांड का संगीतमय पाठ का आयोजन विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा।

अनुसंधान अधिकारियों व थानाधिकारी के खिलाफ आपराधिक अभियोजन की कार्रवाई करे डी.सी.पी.

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने स्कूली छात्राओं के एआई तकनीक से न्यूड फोटो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने से जुडे मामले में चार किशोर आरोपियों को सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में संदेहपूर्ण अनुसंधान करने पर मानसरोवर थाने के थानाधिकारी व प्रकरण में अब तक रहे अनुसंधान अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक अभियोजन और अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए डीसीपी दक्षिण को आदेश की कॉपी भेजी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि अनुसंधान अधिकारी ने दो अन्य आरोपियों के लिए अज्ञात कारणों से अलग पैमाना अपनाया है, जबकि चैट में इन दोनों ने भी अत्यंत भद्दी भाषा में न्यूड फोटोग्राफ की मांग की है और ग्रुप की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग किया है। अदालत ने कहा कि 3 फरवरी, 2024 को एफआईआर दर्ज होने के करीब आठ माह बाद पीड़िता के धारा 161 के बयान और करीब दस माह बाद धारा 164 के बयान कराए, जबकि कानूनी प्रावधान है कि घटना के तुरंत बाद ही बयान दर्ज हो जाने चाहिए थे। ऐसा नहीं करना भी आईपीसी की धारा 166ए के तहत दंडनीय है। इसके अलावा एफआईआर के दिन पीडिता की उम्र की जानकारी मिलने के बाद भी दस माह तक पॉक्सो की धाराए नहीं लगाई। ऐसा करना भी पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध है।

अपील में अधिवक्ता प्रियंका पारीक ने अदालत को बताया की अपीलार्थी किशोर 14 दिसंबर, 2024 से अभिरक्षा में है। उन्हें अपने किए पर पश्चाताप भी है। उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसके अलावा आईओ ने दो अन्य किशोरों को मामले में गवाह बना दिया, जबकि पीडित पक्ष ने उनका भी मामले में अलग-अलग रोल बता दिया गया था। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर ग्रुप बनाया और एआई तकनीक से दो छात्राओं के न्यूड फोटो अपलोड किया। वहीं आरोपियों ने उस पर भद्दे कमेंट भी किए। इन्हें जमानत पर छोडा तो ये स्कूल का माहौल खराब करेंगे।

छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में द्विदिवसीय राज्य स्तरीय चयन स्पर्धाओं का आयोजन 7 एवं 8 जनवरी को किया गया आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय शास्त्रीय चयन स्पर्धा में भाग लेने के लिए योग्य प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तर पर किया जाता है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रत्येक राज्य के स्तर पर पहले प्रतियोगिता आयोजित होती है।

जेडीए प्रशासन कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई करें : हाईकोर्ट

जयपुर। झालाना डूंगरी स्थित केसरगढ़ भवन और जयपुर विकास प्राधिकरण के बीच वर्ष 2002 से चल रहे विवाद में बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने कहा कि जे.डी.ए. प्रशासन इस प्रॉपर्टी पर कानून के दायरे से बाहर जाकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। इसके लिए भवन मालिक को बाकायदा नोटिस जारी कर अन्य विधिक कार्रवाई पूरी की जाये।

गौरतलब है कि 25 फरवरी 2001 को नगर निगम के तत्कालीन अफसरों ने केसरगढ़ भवन के मालिक ठाकुर रघुनाथ सिंह को नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि केसरगढ़ में कई दुकानों का निर्माण कराया गया है, परंतु

- केसरगढ़ भवन और जे.डी.ए. के बीच वर्ष 2002 से लंबित विवाद पर सुनवाई हुई

बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक तय सेटबैक नहीं छोड़ा गया। इस मामले में वर्ष 2001 में ही याचिकाकर्ता ने नगर निगम द्वारा किसी भी तरह की ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक के आदेश अदालत से प्राप्त कर लिए थे। इसके बाद अदालत ने वर्ष 12 जून 2001 को स्टे ऑर्डर जारी किया था। इसके बावजूद वर्ष 12-जून 2002 को करीब 1 साल बाद जेडीए के कुछ अधिकारी इस इमारत पर कार्रवाई करने पहुंच गए थे। जेडीए प्रशासन की इस मनमानी के विरोध में याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार को भी पत्र लिखा और राजस्थाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर वर्ष 2002 से ही यथास्थिति बनाये रखने के आदेश थे।

इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को पुन: सुनवाई हुई, परंतु जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने जे.डी.ए. प्रशासन को कोई राहत नहीं दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि, झालाना डूंगरी स्थित केसरगढ़ भवन पर जे.डी.ए. प्रशासन कानून के दायरे से बाहर जाकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। इसके लिए भवन मालिक को बाकायदा नोटिस जारी कर अन्य विधिक कार्रवाई पूरी की जाये।

'नौनिहालों की नींव मज़बूत करने के लिए आंगनबाड़ी महत्वपूर्ण'

जयपुर। धात्री महिलाओं तथा 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए सही पोषण सुनिश्चित करने, टीकाकरण, शाला-पूर्व शिक्षा जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में प्रदेश की क़रीब 62000 आँगनबाड़ियों द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन-सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास, को पूरा करने के लिए जरुरी है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और यही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए अब हम नवीनतम तकनीक, सॉफ्टवेयर तथा सरलीकृत प्रक्रियाओं को भी अपना रहे हैं।

मजदूर की हत्या करने वाला बदमाश कर्नाटक से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। बगरू थाना पुलिस ने मजदूरी के रुपए मांगने पर मजदूर की हत्या करने आरोपित को दो हजार किलोमीटर पीछा कर कर्नाटक से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है। आरोपी ने एक मजदूर के साथ इतनी मारपीट की जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने मजदूरी के रुपए मांगने पर मजदूर की हत्या करने आरोपित रामजीत सहनी निवासी श्यामपुर भटहा जिला शिवहर बिहार को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया कि तीन नवम्बर 2024 को बगरू थाना इलाके क्षेत्र में काम करने वाले एक मजदूर के साथ मारपीट की गई थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और जिसका इलाज के बाद घायल मजदूर को उसके साथी एम्बुलेंस से गांव लेकर जा रहे थे तो रास्ते में मजदूर की मौत हो गई।

इस पर मृतक के साथी शव लेकर उसके गांव बिहार चले गए। मृतक के परिजनों ने पिपराही थाना जिला शिवहर बिहार में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामाल दर्ज करवाया। जहां जानकारी मिलने पर पुलिस ने अपने स्तर पर घटना की जांच करना शुरू कर दिया और सौ से अधिक सीसीटीवी

गिरफ्तार आरोपी रामजीत सहनी

कैमरा चौक कर घटना की जानकारी ली गई।

पुलिस थाना पिपराही जिला शिवहर बिहार से जयपुर पुलिस को जीरो एफआईआर में पीडित ने बताया कि उसके पुत्र रम्भु साह उर्फ झब्बू साह को उसके गांव के रामजी साहनी व अन्य लोग बगरू

- बगरू थाना पुलिस ने करीब 2 हजार कि.मी. तक पीछा करके आरोपी को दबोचा

में अच्छा काम दिलाने के बहाने से बगरू लेकर आये तथा मजदूरी करवाई। मृतक के मजदूरी के रुपए मांगने पर शराब पीकर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। जिससे उसकी मौत हो गई। घायल को जब बिहार ले जाया जा रहा था, उस दौरान उसकी मौत हो गई । जिस पर रामजी साहनी व अन्य लोग रास्ते से उतर कर भाग गए। पुलिस ने आरोपी के सभी रिश्तेदारों एवं ठिकानों पर गोपनीय पुलिस टीम की अलग-अलग टीमों का गठन कर रेकी कराई। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से तकनीकी आधार पर गोपनीय रूप से आरोपित का पीछा करते हुए आरोपी के समस्त ठिकानों पर रैकी की। पुलिस टीम को सूचना मिली की आरोपी दिल्ली में है। जिस पर एक टीम दिल्ली भेजी गई। टीम के दिल्ली पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी का पीछा करना शुरू किया, जिस पर पुलिस दो हजार किलोमीटर का सफर कर के बदमाश को कर्नाटक में पकड़ा।

राजस्थान विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान किया

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के "79वें स्थापना दिवस" पर विश्वविद्यालय से अध्ययन कर राजकीय एवं ख्यातनाम संस्थाओं में विभिन्न पदों पर चयनित विद्यार्थियों तथा देश-विदेश एवं समाज में विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह मानविकी पीठ समागार में आयोजित किया।

समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव वी. श्रीनिवास एव ं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त डॉ. गौरी शंकर गुप्ता, पूर्व एम्बेसेडर एवं हाई कमिश्नर ऑफ इण्डिया रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा ने सभी अतिथियों का स्वागत कियोवं सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों हेतु शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद है, जिनमें अद्भुत उपलब्धियाँ प्राप्त करने की अपार क्षमता एवं सम्भावनाएँ विद्यमान हैं।

समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, संगीत, एवं नाट्य क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करने एवं वैज्ञानिक, न्यायिक व

राजस्थान विश्वविद्यालय के "79वें स्थापना दिवस" पर मानविकी पीठ समागार में मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव वी. श्रीनिवास एवं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त डॉ. गौरी शंकर गुप्ता, पूर्व एम्बेसेडर एवं हाई कमिश्नर ऑफ इण्डिया ने प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति अल्पना कटेजा मौजूद थी।

प्रशासनिक सेवाओं में चयनित कुल 150 प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। जिनमें विश्वविद्यालय के विजुअल आर्ट्स विभाग की छात्रा अनुया प्रसाद को जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिपॅव में स्वर्ण पदक प्राप्त करने, गणित विभाग के 2 विद्यार्थियों का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में तथा भौतिकशास्त्र विभाग के 2 विद्यार्थियों का न्यायिक सेवा में व 15 विद्यार्थियों का सांख्यिकी सेवाओं में और ऐसे ही अनेक विद्यार्थियों का राज्य प्रशासनिक सेवाओं में चयन होने पर उनकी विशिष्ट उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। स्कूल ऑफ ड्रामा में चयन होने तथा राज्य स्तर पर आर.जे.एस. परीक्षा में द्वितीय रैंक के साथ यहाँ के 35 विद्यार्थियों का

'राजस्थान में 713 मतदान केन्द्र बढ़े'

जयपुर। राजस्थान में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम-2025 के तहत मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन प्रक्रिया के दौरान बीते कुछ माह के दौरान बड़ी संख्या में नए लोगों और विशेषकर महिलाओं को पहली बार मतदाताओं के रूप में पंजीकृत किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने एसएसआर-2025 के तहत प्रदेश के सभी 200 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रकाशित अंतिम एकीकृत मतदाता सूचियों के विषय में राजस्थान में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन सूचियों के अनुसार, राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या में 10 लाख 89 हजार 723 की वृद्धि के साथ ही मतदान केन्द्रों की संख्या भी बढ़ गई है। मतदाताओं की संख्या बढ़ने के क्रम में निर्वाचन विभाग ने प्रदेश में मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया है। अब प्रदेश में कुल मतदान केन्द्र 52,469 हो गए हैं।

राजस्थान में 21 दिन चलेगा "दूध का दूध-पानी का पानी" अभियान

जयपुर । आम उपभोक्ताओं को दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिये राजस्थान को-ऑपरटिव डेयरी फैडरेशन द्वारा राज्यभर में "दूध का दूध-पानी का पानी" अभियान चलाया जायेगा। अभियान की शुरुआत 10 जनवरी से होगी, जो 21 दिन यानि 30 जनवरी तक चलाया जायेगा। इस दौरान राज्यभर की सरस डेयरियों द्वारा उनके कार्यक्षेत्र में लगाये जाने वाले जांच शिविरों में उपभोक्ताओं को दूध की ऑन द स्पॉट जांच कर हाथों हाथ प्राथमिक जांच परिणाम भी बता दिये जायेंगे।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा कि राज्यभर में आरसीडीएफ से सम्बद्ध सभी सरस डेयरियों में एकसाथ दूध का दूध, पानी का पानी अभियान के अन्तर्गत आम उपभोक्ताओं द्वारा लाये गये दूध के सैम्पल्स की नि:शुल्क जांच कर उपभोक्ताओं को निर्धारित समयावधि में जांच परिणाम से अवगत कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता अभियान की अवधि के दौरान राज्यभर की सरस डेयरियों में उनके द्वारा उपयोग में लाये जा रहे दूध अथवा दूध से बने अन्य उत्पादों के सैम्पल नि:शुल्क जांच हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में दे सकते हैं। उपभोक्ता जांच हेतु खुला दूध अथवा किसी भी ब्राण्ड का दूध दे सकते हैं। समबद्ध जिला दुग्ध संघ की गुणवत्ता नियन्त्रण प्रयोगशाला द्वारा विभिन्न मानकों पर सैम्पल्स की नि:शुल्क जांच कर उपभोक्ताओं को दी गई निर्धारित समयावधि में जांच परिणाम से अवगत कराया जायेगा। जांच प्रक्रिया के दौरान दूध में मौजूद पानी की मात्रा, मिलावट और उपलब्ध पोषक तत्वों की जांच की जावेगी।

शातिर चेन स्नैचर को पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया

नाम बदलकर फैक्ट्री में काम कर रहा था आरोपी, पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना पुलिस टीम ने शातिर चेन स्नैचर को इंदौर से गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि शातिर चेन स्नैचर कैलाश साल्वी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक वृत चतुर्थ मनीष शर्मा के सुपरविजन में अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिये मध्यप्रदेश व राजस्थान के कई ठिकानों पर दबिश दी। शहर एसपी ने बताया की शतिर चेन स्नैचर कैलाश साल्वी की लोकेशन इंदौर होने का पता चलने पर अनंतपुरा थाने से टीम को आरोपी की तलाश के लिये इंदौर के लिए रवाना किया गया। इंदौर में पता करने पर पुलिस को आरोपी के बारे में पता चला कि आरोपी कैलाश साल्वी नाम बदलकर विशाल नाम से एक फैक्ट्री मे काम कर रहा है। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने रात्रि में फैक्ट्री पर दबिश दी तो पुलिस को

- **पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिये मध्यप्रदेश व राजस्थान के कई ठिकानों पर दबिश दी**

देखकर आरोपी ने फैक्ट्री की दीवार को फांद कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी दीवार की ऊंचाई से नीचे गिर गया, जिससे उसके हाथ में चोट भी आई है।

शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने प्राथमिक उपचार कराकर आरोपी बोम्बे योजना आरके पुरम हाल कोली मौहल्ला मनोहर थाना जिला झालावाड़ निवासी कैलाश साल्वी (23) को इंदौर से गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अनंतपुरा, दादाबाड़ी, आरके पुरम व महावीर नगर थानों में चेन स्नैचिंग की वारदातों को करना स्वीकारा है। आरोपी ने महावीर थाना क्षेत्र में की गई चैन स्नैचिंग की वारदात में अपने साथी आशीष के साथ वारदात करना स्वीकार किया है एवं अन्य थाना क्षेत्रों स्वयं ही वारदात की है। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं चुराई हुई चेनों की बरामदगी के लिये अनुसंधान किया जा रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि आरोपी महिला को सोने की चेन पहने हुए पैदल जाते हुए देखता तो महिला के पीछे लग जाता था और मौका लगते ही झपट्टा मारकर चेन छीनकर फरार हो जाता था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वारदात करने के बाद वह कोटा छोड़कर झालावाड के रास्ते मध्यप्रदेश के तरफ निकल जाता था। आरोपी ने पूछताछ में पिछले दो-तीन माह में थाना अनंतपुरा सुभाष नगर में एक, थाना दादाबाड़ी गोदावारी धाम के पास एक, आरकेपुरम क्षेत्र में एक और महावीर नगर थाना क्षेत्र में एक चेन स्नैचिंग की वारदात करना स्वीकार किया है।

अनंतपुरा थाना पुलिस टीम ने शातिर चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया।

बंद मकान के ताले टूटे, छह लाख से अधिक की चोरी

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर के वार्ड नंबर नौ दस्सुसरसर रोड के पास स्थित दीपक सोनी पुत्र ओमप्रकाश सोनी के बंद पड़े मकान के चोरों ने ताले तोड़कर लाखों का सामान पार कर लिया। दीपक सोनी ने पुलिस थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि मेरे माता-पिता 4 जनवरी से ही कलकत्ता गए हुए थे। मेरी पत्नी मेरी बहिन छह जनवरी को घर के चारों तरफ से ताला लगाकर मेरी पत्नी की डिलीवरी करवाने के लिए सुजानगढ़ चले गये थे, जिसके बाद वापस सुजानगढ़ से राजलदेसर घर पहुंचा तो देखा कि घर के बाहर लगा ताला टूटा हुआ था। अन्दर जाकर देखा तो सब ताल टूटे हुए मिले व कमरे में सामान बिखरा हुआ था एवं कमरे में बनी अलमारियों के ताले भी टूटे हुए मिले।

सारा सामान बाहर बिखरा हुआ था और जब मैने देखा कि अलमारी में रखे कीमती सामान जिसमें हीरे का मंगलसूत्र एक, चांदी का प्याला व कटोरी पायजेब चार जोड़ी, 1 नथ, 4 सोने की अंगूठी, 1 लाख 20 हज़ार नगदी, चांदी के सिक्के 60 एवं नगीना जेवरात वहां पर नहीं थे जो चोरी हो गए। पुलिस में मामला दर्ज कर जल्द से जल्द चोरों को पड़कर सामान बरामद करने की बात कही।

दुकान से 11 किलो चांदी और सोने के जेवर चोरी

पुलिस ने मौके पर जाकर जांच शुरु की

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में कोतवाली थाना क्षेत्र में स्वर्ग रोड पर चावंडपाडी मोड़ स्थित खुशी ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड़कर चोर करीब 16 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर पार कर ले गए। दुकान के मालिक हरिओम सोनी ने बताया कि पड़ोसी ने बुधवार सुबह सूचना दी कि दुकान के ताले टूटे हुए हैं। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। सुबह करीब आठ बजे बाद दुकान के अंदर देखा तो करीब 40 ग्राम सोना सहित 11 किलो चांदी चोरी हो गई थी।

कोतवाली थाने के सहायक पुलिस उप निरीक्षक रघुवीर ने बताया कि चोरी रात करीब डेढ़ बजे के आसपास हुई है। अभी दुकान मालिक से चोरी हुए माल का अनुमान लगाने में लगे हैं। इसके साथ अज्ञात चोरों की तलाश भी शुरू कर दी है। दुकान मालिक ने बताया कि सुबह सात बजे दुकान के ताले टूटे होने का पता चला था। दुकान के ताले टूटे मिले हैं। बाद में पुलिस के आने पर शटर को खोला गया। करीब साढ़े 11 किलो चांदी व 40 ग्राम सोना चोरी हो गया।

टोकने पर महिला को चाकू मारा

डूंगरपुर, (निसं)। आपस में झगड़ा कर रहे युवकों को टोकना एक महिला को भारी पड़ गया। दोनों युवकों में से एक युवक ने महिला के पेट में चाकू मार दिया। महिला को लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे रेफर कर दिया गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के पातेला अंबेडकर कॉलोनी गत रात को चाकूबाजी की घटना हुई। कॉलोनी निवासी श्यामा पत्नी शंकर फूमतियां रात को घर से मोहल्ले में स्थित दुकान पर दूध लेने के लिए गई थी। इस दौरान दो युवक आपस में झगड़ा कर रहे थे, जिस पर श्यामा फुमतियां ने दोनों युवकों को टोका तो एक युवक ने जेब में रखे चाकू से महिला के पेट पर हमला कर दिया। चाकू के हमले से महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी।

आश्रम की तारबंदी हटाने की कोशिश, मामला दर्ज

सादुलपुर, (निसं)। घणाऊ गांव में बाबाजी के आश्रम पर कब्जा करने की मंशा व द्वेश भावना से हो रही पार्टीबाजी होने के आरोप लगाकर ग्रामीणों नेतहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि घणाऊ गांव में एक सत्संग आश्रम करीबन तीन साल से बना हुआ है। आश्रम हमेशा से ही ग्राम वासियों के लिए प्रचार-प्रसार व लोगों की सेवा, गायों की सेवा करता रहता है। आश्रम में आश्रम की स्थापना के समय अन्य जगहों से सहायता राशि लेकर आश्रम का निर्माण किया गया। सभी ग्रामवासियों ने आश्रम में साधु व संत समाज ने महन्त शिवराम दास नागा को चादर विधि से सर्व सहमति से नियुक्त किया। वर्तमान में आश्रम को बाबाजी संभालते हैं व लोगों व गायों की सेवा करते हैं। ग्रामवासियों ने सम्मान से महंत शिव रामदास को नियुक्त किया था। महन्त शिवराम दास नागा पूरी लगन व निष्ठा से गायों की सेवा करता है तथा देखभाल करता है, जो लगातार 3 वर्षों से चला आ रहा है। आरोप है कि अब गांव में पार्टीबाजी को लेकर आश्रम व गौशाला को अपनी निजी समिति व निजी ट्रस्ट ने सरकारी शिवायचक व गोचर भूमि को हड़पना चाहते हैं। इसलिए गांव में विवाद हो रहा है। गांव के कुछ लोगों ने षड्यंत्र करके गौशाला की व्यवस्था में बाधा पैदा करने के लिए झूठी अतिक्रमण व कब्जा करने की शिकायतें तहसीलदार के समक्ष की है।

ग्रामीणों ने बताया कि महन्त शिवराम दास नागा व उनके चेलों के द्वारा कोई अतिक्रमण नहीं किया है। आरोप है कि गांव के चंद लोग अपना कब्जा जमाने के लिए झूठी शिकायतें कर रहे हैं। लोगों के द्वारा जान बूझकर आश्रम की तारबंदी व बाड़ हटाने की कोशिश की गई तथा रात को एक बजे पत्थर फेंके गये हैं और जबरन कमरों पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। चंद लोगों के द्वारा अपने स्वार्थ के लिए जबरन गांव की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है तथा आश्रम एवं गौशाला के संचालन में बाधा पैदा की जा रही है।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। खेतों से पानी को मोटरें चोरी करने की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 3 जनवरी को पीड़ित वाला पुत्र दल्ला निवासी मुगारेल थाना कुराबड़ व लालुराम पुत्र बाबरू निवासी गोवला डबोक ने कुराबड़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि रात में कुएं पर लगी पानी की मोटरें अज्ञात चोर चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने आसूचना के आधार पनर कैलाश उर्फ कालु पुत्र सोहन निवासी शिशवी मबेलिया फला कुराबड़ तथा नानालाल पुत्र लिम्बा निवासी चौड़ा थाना खैरोदा को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना कबूल किया है।

नहर में गिरा बालक, मौत

भीलवाड़ा। जिले के शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित उम्मेद सागर की नहर में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। खेलने के दौरान छह वर्षीय बालक नहर में गिर गया, जिसकी डूबने से मौत हो गई।

शाहपुरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार आर्य ने बताया कि शाहपुरा कस्बे के रामपुरा आबादी क्षेत्र से सिंचाई के लिए उम्मेदसागर बांध की नहर गुजरती है। बुधवार सुबह छह

- **बालक के माता-पिता नहीं थे, अपने ननिहाल में रहता था**

साल का मासूम विकास पिता निर्मल कहार नहर के किनारे खेलते समय अचानक नहर में जा गिरा। नहर का तेज बहाव होने के कारण बालक नहर में बह गया, स्थानीय लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव नहर से निकाला जा सका। हादसे के बाद शाहपुरा नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी और मदद का भरोसा दिलाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। बताया जा रहा है कि बालक के माता-पिता नहीं थे, वो अपने ननिहाल में ही रहता था।

खेत में खड़ी गेहूं की फसल नष्ट कर जमीन हड़पने की कोशिश

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास बड़ा निवासी एक व्यक्ति अपने ही परिवार के एक व्यक्ति के खिलाफ अपने हिस्से में आई जमीन पर बुआई की गई गेहूं की फसल को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट करने तथा उसके हिस्से की भूमि को हड़पने की कोशिश करने के आरोप का मामला हमीरवास थाने में दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि उमराव सिंह पुत्र हीराराम कुम्हार निवासी हमीरवास बड़ा तहसील राजगढ़ जिला चूरू ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि ग्राम हमीरवास बड़ा की रोही में उनकी संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि है, जिसका भाई-बंटवारा हो रखा है तथा उनके भाई-बंटवारे में अपने हिस्से में आई जमीन पर कब्जाशुदा है व अपने हिस्से की जमीन पर काश्त करते आ रहे हैं। आरोप है कि अब विपिन पुत्र श्योपाल कुम्हार निवासी हमीरवास बड़ा उनके हिस्से की जमीन को हड़पना चाहते हैं, जिस कारण उसका उनके साथ विवाद चल रहा है। उसने अपने हिस्से के खसरा नंबर 514 में गेहूं की फसल की बुआई कर रखी है। एक जनवरी को विपिन पुत्र श्योपाल कुम्हार निवासी हमीरवास बड़ा ने उसके खेत में घूस कर गेंहू की फसल पर ट्रैक्टर चलाकर फसल नष्ट कर दी। परिवार का मामला होने के कारण अभी तक परिवार एवं गांव के मौजिज लोगों ने भाई पंचायत में राजीनामा करवाने की कोशिश की, जिस कारण पुलिस थाना पर रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई थी।

युवक का शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। सड़क किनारे एक युवक का लहूलुहान शव मिलने से डूंगरपुर के चितरी थाना क्षेत्र के किशनपुरा गांव के पास सनसनी फैल गई। युवक मंगलवार रात को अपने घर से निकला था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चितरी थानाधिकारी ने बताया कि निलेश ताबियाड ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता फकीरा ताबियाड मंगलवार रात को खाना खाकर घर से निकले थे, जो कि वापस नहीं आए। वहीं बुधवार सुबह उनका शव किशनपुरा दिवडा रोड पर टावर के पास सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था। उनके सिर और शरीर पर चोंट के निशान थे। उनके पास उनका पर्स, मोबाइल और जूते भी नहीं थे। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

कार की टक्कर से सड़क किनारे खड़े युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 पर शिशोद गांव के पास सड़क किनारे खड़े युवक को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत के बाद उसके पांच बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

बिछीवाड़ा थाने के हैड कांनि. ने बताया कि शिशोद गांव निवासी प्रकाश परमार ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह और उसका बेटा संजय परमार पैदल-पैदल पाल पादर गांव जाने के लिए निकले थे। एनएच-48 पर शिशोद गांव के पास गाड़ी का इन्तजार कर रहे थे।

इस दौरान एक तेज रफ्तार कार आई और सड़क किनारे खड़े संजय को टक्कर मारकर फरार हो गई। हादसे में हाथ, पैर व सिर पर चोट लगने से संजय गंभीर घायल हो गया, जिसको लेकर बिछीवाड़ा अस्पताल पहुंचे, जहां पर प्राथमिक इलाज के बाद उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया, लेकिन वहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना पुलिस ने पुनावाडा-ढूंढरिया रोड पर नाकेबंदी के दौरान शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। पुलिस ने कार से आठ कार्टन शराब बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस तस्कर से पूछताछ कर रही है। आरोपी शराब को गुजरात तस्करी की फिराक में था।

धम्बोला थानाधिकारी ने बताया कि मुखबिर के जरिये अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस की ओर से पुनावाडा-ढूंढरिया मार्ग पर नाकाबंदी शुरू की गई। गाड़ियों की तलाशी के दौरान एक गुजरात नम्बर की कार को रुकवाया गया। ड्राइवर से पूछताछ की तो वह घबरा गया। इस पर पुलिस ने कार की तलाशी ली। कार में शराब के अवैध कार्टन भरे हुए थे।

स्मैक तस्कर के साले से पांच लाख रुपये बरामद

करौली, (नि.सं.)। लांगरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्मैक के मामले में गिरफ्तार आरोपी धारासिंह मीणा की सूचना पर स्मैक सरगना कमल मीणा के मकान से अवैध स्मैक बिक्री से अर्जित पांच लाख रुपये बरामद किये।

लांगरा थाना अधिकारी वासुदेव बसबाल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन स्मैक आउट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार आरोपी धारासिंह मीणा की इत्तला पर स्मैक सरगना कमल मीणा के मकान से अवैध स्मैक बिक्री से अर्जित पांच लाख रुपए बरामद किए हैं।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी स्मैक सरगना का साला है जो अपने साथियों सहित क्षेत्र में स्मैक कि पुड़िया बनाकर बिक्री करता है जिससे अर्जित 5 लाख रुपए कमल मीणा के घर से बरामद की है। उन्होंने बताया कि आरोपी धारा सिंह को मासलपुर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों का स्मैक बिक्री क्षेत्र धौलपुर, करौली, जयपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर है जहां से आरोपियों के तार कोटा, बारा, झालावाड़ के तस्करों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया की कार्यवाही के दौरान स्वयं के नेतृत्व में कांस्टेबल विश्राम, जितेंद्र, महावीर और सरकारी वाहन चालक नरेंद्र साथ थे।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन सातवें दिन भी लगातार जारी

अभिभाषक संस्था शाहपुरा के सभी अधिवक्ताओं का सात दिन से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार जारी

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा शाहपुरा जिला भंग करने के बाद से सातवें दिन भी संघर्ष जारी है। अधिवक्ताओं, जिला बचाओ समिति सदस्यों व आमजन ने शहर के त्रिमूर्ति चौराहा बाहरेठ स्मारक के बाहर राज्य सरकार व विधायक को सद्बुद्धि देने के लिए संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा के नेतृत्व में सद्बुद्धि यज्ञ किया। सद्बुद्धि यज्ञ में आमजन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और संघर्ष समिति के सदस्यों ने शाहपुरा जिले को समाप्त करने के सरकार के निर्णय का विरोध किया और नारेबाजी कर शाहपुरा को यथावत जिला बनाए रखने की मांग कर प्रदर्शन किया।

अभिभाषक संस्था के सहसचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि जिला बचाओ संघर्ष समिति का आंदोलन बुधवार को सातवें दिन भी जारी रहा इसको आमजन का सहयोग लगातार मिल रहा है। अभिभाषक संस्था शाहपुरा के सभी अधिवक्ता सात दिन से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार कर शाहपुरा को जिला बनाए रखने के लिए आंदोलन में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने आंदोलन को और तीव्र करने के लिए पूर्व भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष एवं अधिवक्ता रामप्रसाद जाट को सर्वसम्मति से संघर्ष समिति का संयोजक मनोनीत किया और गांव-गांव जाकर आमजन को जिले के फायदे बताकर जागरूक करने का आव्हान किया। जिला बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक रामप्रसाद जाट ने शाहपुरा को जिला बनाए रखने के लिए शीघ्र

अधिवक्ताओं, जिला बचाओ समिति के सदस्यों व आमजन ने सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए यज्ञ किया।

ही गांव से शहर तक बड़ा आंदोलन करने की बात कहकर आगामी रणनीति की जानकारी दी।

अभिभाषक संस्था सहसचिव कमलेश मुंडेतिया कहा कि विभिन्न समाज विभिन्न संगठन विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधियों से मिले समर्थन व सुझाव के अनुसार 28 तारीख ब्लैक डे के रूप में शाहपुरावासी मनाएंगे तथा जिला शाहपुरा का अस्तित्व जिले के दर्जे के रूप में देने की मांग को लेकर 28 जनवरी को रैली निकाल कर प्रदर्शन किया जाएगा। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने कहा कि शाहपुर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर नौ जनवरी को उपखंड कार्यालय के बाहर क्रमिक अनशन धरना दिया जाएगा। इस दौरान समिति अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा, रामप्रसाद जाट, त्रिलोक चंद नौलखा, अनिल शर्मा, गजेंद्र प्रताप सिंह, नमन ओझा, अंकित शर्मा, कमलेश मुंडेतिया, विरेंद्र पत्रिया, प्रियेश सिंह यदुवंशी, अविनाश शर्मा, राकेश लोहार आदि सहित कई लोग उपस्थित थे।

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में 9वें दिन भी धरना जारी रहा

राजस्थान एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने धरने को समर्थन दिया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में 9वें दिन भी भूख हड़ताल जारी रही, जहां रामकुमार यादव पूर्व पंचायत समिति सदस्य आगवाड़ी, गिरधारी धायल कुरबड़ा, बीरबल काजला पूर्व सरपंच चला, श्रीराम गुर्जर बुजीवाला, प्रकाश राजपुरिया, विनोद मैगोतिया, बजरंग लाल अग्रवाल मंडोली को माला पहनाकर धरना स्थल पर बैठाया गया। इन सभी ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठ कर धरने को जारी रखा।

नीमकाथाना जिला कलेक्ट्रेट के सामने चल रही क्रमिक भूख हड़ताल के समर्थन में राजस्थान एनएसयूआई छात्र संगठन के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने नीमकाथाना पहुंचकर पहुंचकर भूख हड़ताल और धरने को समर्थन दिया। जाखड़ ने कहा कि आमजन में सरकार के फैसले के प्रति रोष व्याप्त है, इसको लेकर सीकर और नीमकाथाना की जनता सड़कों पर आंदोलन को मजबूर हो रही है। सरकार को जन कल्याण और क्षेत्र के विकास के पुन: जिले और संभाग की घोषणा करनी चाहिए अन्यथा छात्र संगठन हिंसक आंदोलन करेंगे। इस दौरान राजेन्द्र महरानिया, राकेश नटवाड़िया, अनिल तिडदिया सहित

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में धरना लगातार जारी है।

- **लोगों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर के कार्यालय तक रैली निकाल आक्रोश जताया**

अनेकों लोग मौजूद रहे।

नीमकाथाना जिला बचाने के लिए बुधवार को प्रगतिशील प्रजापति छात्रावास, ग्राम पंचायत नापावाली, एस.एफ.आई. कायकर्ता और ग्राम पंचायत दलेलपुरा तहसील खेतड़ी के लोगों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर के कार्यालय तक रैली निकाल कर आक्रोश जताकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को समर्थन दिया। नीमकाथाना जिला हटाने से राजस्थान सरकार के खिलाफ धीरे-धीरे लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। जगह-जगह टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। गांव ढाणीयों में भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाकर नीमकाथाना को जिला को यथावत रखने के लिए भाजपा सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को देखकर क्षेत्रवासी जिला बचाओं संघर्ष समिति की तरफ धीरे-धीरे जुड़ रहे है। व्यापार महासंघ अध्यक्ष रामगोपाल मैगोतिया, उपाध्यक्ष धन्नाराम सेफरागुवार, महासचिव पवन माधोगढ़, डॉ. सूर्यनारायण भटनागर, नवरंग, हरिप्रसाद, दिनेश शर्मा, रवि मंगल, बनवारी लाल चेतानी, सतीश मेगोतिया, जस्सू सिंह शेखावत, सुनिल शर्मा, ईश्वर जाट, महेन्द्र मुंडोतिया, विक्रम यादव, महावीर, राजू बन्ना, विजय जिंदल, ईद मोहम्मद, शिवम वर्मा, राहुल मेहरा, गोविन्द शर्मा, हीरालाल सैनी, मदनलाल सैनी, महेन्द्र यादव, कालूराम चेजारा, संदीप गुर्जर, विजेन्द्र, संजू गुर्जर, कृष्ण गुर्जर, महेश सैनी, सिप्पू गुर्जर ने 13 जनवरी को रामलीला मैदान में होने वाली विशाल महासभा में पहुंचने के लिए अपील की है।

इस मौके पर हजारी कुमावत, विकास कुमावत, अमित कुमावत, शशी कुमावत, राजू कुमावत, नितेश कुमावत, सुनिल कुमार, रामजीलाल, कालूराम कुमावत, गोपाल सैनी कॉमरेड, जयदयाल शर्मा सिरोही, गिरधारी जाखड़, सुभाष जाखड़, कैप्टन रामनिवास ताखर, सरपंच प्रतिनिधि चरण सिंह, एसएफआई जिला सचिव विक्रम यादव, किरण सैनी, जितेन्द्र यादव, मोहित यादव, पूजा योगी, रविना, कशिश, सोनिया, पायल कंवर, मयंक शर्मा, विजेन्द्र जाखड़, राजेन्द्र चौधरी वकील चला सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मुझे लगता है कि एसए-20 से वह अंतर कम किया जा सकता है। इससे हमारे खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिल रहा है। टीमों के पास शानदार कोच और फिजियो हैं।' - ग्रीम स्मिथ

एसए-20 लीग के कमिश्नर, दक्षिण अफ्रीका टीम के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

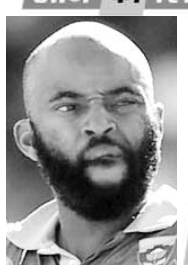

टेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला। वह अब 769 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। ज्ञात हो तेम्बा बावुमा का जन्म 17 मई, 1990 को हुआ था। वे दक्षिण अफ्रीकी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेटर है। जो टेस्ट व एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम में है। वे दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का शुभारम्भ

चुनौतियां का सामना कर उन्हें परास्त करना ही चैम्पियन की पहचान : राठौड़

जयपुर, 8 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में राज्य मंत्री के.के. विश्नोई की गरिमामयी उपस्थिति में एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का शुभारंभ कर समस्त युवाओं एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार थीम पर आधारित युवा महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगियों का आयोजन होगा। जहां ग्रामीण स्तर तक चयनित होकर आए प्रतिभागी युवाओं को इसमें अपना हुनर दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, चुनौतियों का सामना कर उन्हें परास्त करना ही चैंपियन की पहचान है। हमारी युवा शक्ति में लक्ष्य हासिल करने की क्षमता है। युवाओं को सफलता और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सभी अवसर प्रदान करने के लिए हम सभी प्रतिबद्धत हैं। देश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण स्त्रोत है बहुरंगी कलाएं। भावी पीढ़ी, अपनी संस्कृति के जिस स्वरूप को देखती है उसी के अनुरूप अपने जीवन के नये मूल्यों का निर्माण करती है। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को अनुभव आधारित शिक्षा के द्वारा, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता से जोड़े और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के गौरवशाली दृष्टिकोण से परिचित और प्रेरित कराएं।

सीनियर नेशनल वालीबॉल चैम्पियनशिप

कर्नाटक ने राजस्थान को 3-1 से हराया

जयपुर, 8 जनवरी। जयपुर में आयोजित हो रही सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भारत भर से आए महिला और पुरुष खिलाड़ियों का जज़्बा देखने लायक़ रहा। सभी खिलाड़ी पूरी टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं और उसी भावना से सिलेक्टर्स सभी

खिलाड़ियों को बारीक़ी से परख रहे हैं।आने वाले समय में भारतीय खिलाड़ियों की टीम का सिलेक्शन किया जा सके। दूसरे दिन के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में आंध्र प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश को 3-0 से शिकस्त दी वहीं उत्तर प्रदेश की टीम ने त्रिपुरा को 3-0 से हराया। जम्मू कश्मीर ने बिहार को 3-2 से और उड़ीसा ने अरुणाचल प्रदेश को 3-0 से मात दी। वहीं चण्डीगढ़ ने अण्डमान निकोबार को 3-0 से और झारखंड ने त्सिक्किम को 3-0 से हराया। कर्नाटक की टीम ने राजस्थान की टीम पर 3-1 से जीत दर्ज की। महिला टीमों का प्रदर्शन भी खासा रहा और दिल्ली की टीम ने मणिपुर को 3-0 से हराया और पश्चिम बंगाल ने शानदार खेल दिखाते हुए हरियाणा को 3-0 से मात दी। आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार रेफ्रीज़ और ग्राउण्ड स्टाफ़ पूरी लगन से इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में जुटे हुए हैं और दर्शकों की संख्या भी दर्शाती है कि राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में वॉलीबॉल का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। चैम्पियनशिप के दूसरे दिन हुए मैचों में मुख्य अतिथि चीफ़ पोस्ट मास्टर जनरल वी के गुप्ता थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वीरेन्द्र सिंह बाँकावत भी उपस्थित रहे। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल के कोच और सेलेक्टर लक्ष्मी नारायण शर्मा और महिला टीम के कोच जय नारायण ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्ड से सम्मानित वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अशोक आसोपा और ऐड हॉक कमेटी के सदस्य एस गोपीनाथ भी उपस्थित थे।

खो-खो विश्वकप में हिस्सा लेने वाली विदेशी टीमें 10 और 11 को नई दिल्ली पहुंचेगी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। खो-खो विश्वकप में हिस्सा लेने वाली अधिकतर विदेशी टीमें 10 और 11 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी पहुंच जायेंगी। विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बुधवार को यहां बताया की हवाई अड्डे पर खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारी और टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रायोजक जीएमआर के अधिकारी विदेशी खिलाडियों और टीम के सदस्यों का भारतीय परम्परा के अनुरूप स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए एक स्पेशल वेलकम डेस्क स्थापित किया जायेगा तथा उन्हें लाउन्ज फैसिलिटीज प्रदान की जाएंगी।

2025 के लिये फिट हैं मो. शमी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का चयन 12 जनवरी से पहले पहले हो जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान रोहित शर्मा से लेकर यशस्वी जायसवाल तक तमाम खिलाड़ियों के चनय को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद से चोट के कारण बाहर चल रहे मोहम्मद शमी ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। वहीं चोट से उबरकर घरेलू क्रिकेट में वापसी के बाद भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चुने गए मोहम्मद शमी वीडियो शेयर कर कहीं न कहीं भारतीय चयनकर्ताओं को ध्या आकर्षित करना चाहते हैं। इसके जरिए वो चयनकर्ताओं को बताना चाह रहे हैं कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट हैं।

मार्टिन गुप्टिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

वनडे वर्ल्ड कप का हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बना चुके, न्यूजीलैंड के टॉप टी-20 स्कोरर

नई दिल्ली, 8 जनवरी। न्यूजीलैंड के ओपनर बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने बुधवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले बैटर हैं। गप्टिल ने 2015 के वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 237 रन की पारी खेली थी।

गप्टिल ने टी-20 इंटरनेशनल में कीवियों के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह अभी सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ऑकलैंड एसेस की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट को दिए गए इंटरव्यू में कहा, 14 साल तक ब्लैककैप्स के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान था।

न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था गप्टिल ने कहा, बचपन से ही न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था।

मैं अपने देश के लिए 367 मैच खेलकर भाग्यशाली महसूस करता हूं। मैं अपने सभी टीम-साथियों और कोचिंग स्टाफ को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से मार्क ओडोनेल को, जिन्होंने अंडर-19 स्टेज पर मुझे ट्रेनिंग दी थी।

14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला 38 वर्षीय गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। 2009 से 2022 तक मार्टिन गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 367 मैच खेले, इस दौरान उन्होंने 23 शतक भी लगाए। गप्टिल ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था।

टी-20 में कीवियों के बेस्ट बल्लेबाज गप्टिल ने 122 टी-20 में 3531 रन बनाए। वनडे में मार्टिन ने 198 मैचों में 7346 रन बनाए हैं। वह वनडे में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे रॉस टेलर और स्टीफन फ्लेमिंग हैं।

टेस्ट रैंकिंग में पंत की टॉप-10 बैटर्स में वापसी

सिडनी में 40 और 61 रन की पारियां खेली थी, गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर

नई दिल्ली, 8 जनवरी। टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने फिर से टॉप-10 बल्लेबाजों में वापसी कर ली है। वे 12वीं पोजिशन से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी टेस्ट में 40 और 61 रन की पारी खेली थी। इसकी बदौलत उनकी रैंकिंग सुधरी।

इस लिस्ट में दूसरे भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं, जो नंबर 4 पर बने हुए हैं। यशस्वी ने में एक सेंचुरी और 2 हाफ सेंचुरी लगाई हैं। बॉलर्स की टॉप-10 रैंकिंग में बुमराह पहले पायदान पर मौजूद हैं। स्पिनर रवींद्र जडेजा 10वीं पोजिशन से नौवें स्थान पर आ गए हैं। 10वें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पेसर स्कॉट बोलैंड हैं, जो पहले 39वें नंबर पर थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सिडनी टेस्ट में ऋषभ ने दूसरी इनिंग में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उन्होंने 29 बॉल पर हाफ सेंचुरी लगाई थी। पंत ने 61 रन की पारी खेली थी। जिससे उनकी रैंक में 3 पायदान का फायदा हुआ। अब उनके 739 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं।

साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला। वह अब 769 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

स्कूल-कॉलेज जाएगी प्रचार गाड़ी, क्यूआर कोड से छात्र बुक करा सकेंगे सीट

देहरादून, 8 जनवरी। उत्तराखंड में होने जा रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों की गतिविधियां, जिन शहरों में प्रस्तावित है, वहां पर छात्र-छात्राओं को इससे जोड़ने के लिए पहल की जा रही है। युवा दिवस यानी 12 जनवरी से प्रचार के आठ कंटेनरों को स्कूल-कॉलेजों के लिए रवाना किया जा रहा है। छात्र-छात्राएं इस प्रचार कंटेनरों के माध्यम से खेल मुकाबले के लिए अपनी सीट क्यूआर कोड से बुक करा सकेंगे। राष्ट्रीय खेल देखने के लिए निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है। उत्तराखंड अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में इस बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहा है। राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से लेकर 14 फरवरी तक प्रस्तावित हैं। देहरादून के अलावा हरिद्वार, शिवपुरी-ऋषिकेश, कोटी कालोनी टिहरी, नैनीताल, रूद्रपुर, खटीमा, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ जैसी जगहों पर विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं होनी हैं। राष्ट्रीय खेल सचिवालय तैयारियों में जुटा पड़ा है। कोशिश ये ही है कि हर वर्ग को इस आयोजन से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा जाए। छात्र-छात्राओं को इस आयोजन से जोड़ने के लिए अब युवा दिवस के मौके को चुना गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी नॉकआउट - प्रसिद्ध, अभिमन्यु, पडिक्कल उपलब्ध रहेंगे, राहुल ने ब्रेक लिया

नई दिल्ली, 8 जनवरी। भारतीय क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिमन्यु ईश्वरन विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण के लिए उपलब्ध रहेंगे। टूर्नामेंट का नॉकआउट स्टेज 9 जनवरी से वडोदरा में खेला जाएगा।

कर्नाटक के लिए डोमेस्टिक खेलने वाले केएल राहुल ने ब्रेक लेने के लिए रिक्वेस्ट किया है। हालांकि, उन्होंने ब्रेक का कारण नहीं बताया। वहीं, अगर तमिलनाडु सेमीफाइनल में पहुंचती है तो वॉशिंगटन सुंदर भी अपनी टीम के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

आकाश दीप सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे पडिक्कल और प्रसिद्ध बुधवार यानी आज सिडनी से भारतीय टीम के मेंबर्स के साथ उड़ान भरेंगे, जबकि अभिमन्यु को एक दिन पहले उड़ान भरने की परमिशन दे दी गई थी। अभिमन्यु आज बंगाल की टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे। बंगाल को 9 जनवरी को हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलना है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम में शामिल बंगाल के दूसरे खिलाड़ी आकाश दीप पीठ में दर्द के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। आकाश दीप इंजरी के कारण ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए थे। वे ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) जाएंगे।

वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलेगी कर्नाटक प्रसिद्ध और पडिक्कल के 10 जनवरी तक कर्नाटक की टीम में शामिल होने की उम्मीद है। कर्नाटक की टीम 11 जनवरी को वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी। राहुल इसी के लिए ब्रेक लेने वाले हैं।

जिला क्रिकेट संघ बाड़मेर के चुनाव

अध्यक्ष पद पर प्रमोद शर्मा, सचिव देवाराम चौधरी निर्विरोध निर्वाचित

जयपुर, 8 जनवरी। जिला क्रिकेट संघ बाड़मेर के चुनाव ऋषभ रिजॉर्ट में दोपहर 2 बजे संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष पद पर प्रमोद शर्मा, सचिव देवाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष आजाद सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष के पद पर महेंद्र सिंह चौधरी, रिटायर्ड आईपीएस, तेज सिंह चौधरी, इसरा राम चौधरी, चिमनाराम चौधरी, पंचराम चौधरी, राजीव भादू, जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर अभिषेक चौधरी, मोहन भादू, नरेंद्र पाल सिंह, एग्जीक्यूटिव मेंबर आसाराम, सुरेश कड़वासरा, गजेंद्र कुमार इत्यादि निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस चुनाव में ऑब्जर्वर के रूप में खेल अधिकारी बाड़मेर रामकरण विश्नोई उपस्थित थे। सभी निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों को आरसीए के पूर्व अध्यक्ष संजय दीक्षित, बृजकिशोर उपाध्याय सचिव जिला क्रिकेट संघ दौसा ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

// पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैम्पियनशिपन //

टॉप सीड सूरज, विश्ववर्धन, नवीन और अली हैदर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 8 जनवरी। शीर्ष वरीयता के बीपीसीएल के सूरज चन्द ने बुधवार को यहां ओएनजीसी के अर्चित अग्रवाल को 3-0 से पराजित कर इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की मेजबानी में बुधवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर शुरू हुई छठी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दूसरी वरीयता प्राप्त ओआईएल के विश्ववर्धन भाटी ने आईओएल के दिव्य चौहान को 3-0 से, एनआरएल के अली हैदर ने आईओसी के सौरव अग्रवाल को 3-0 से और ओआईएल के नितेश कुमार ने एनआरएल के नवीन कुमार को 3-0 से हरा अंतिम आठ में जगह बनाई। इनके अलावा आईजीएल के अंकुर वर्मा, बीपीसीएल के सुभाष चौधरी, एनआरएल के अनेम कारिख और ओआईएल के चंदन कुमार भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

आईजीएल के एच.आर. हैड शिवनेन्द्र कुमार ने बताया कि महिला वर्ग में एनआरएल की प्रज्ञा डेगा, ओएनजीसी की गुरजीत कौर व पारुल वसावा और रीवा निम्बालकर अपने मुकाबले जीत अंतिम चार में पहुंच गईं। क्वार्टर फाइनल में प्रज्ञा ने ओआईएल की कनिष्का शर्मा को 2-0 से और पारुल ने ओआईएल की मोनिका मीणा को 2-0 से पराजित किया। गुरजीत को ओआईएल की रोमाशा के खिलाफ वाकओवर मिल गया, वहीं शीर्ष वरीतयता की रीवा पहले ही अंतिम चार में पहुंच चुकी हैं।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि आईजीएल के डायरेक्टर (कॉमर्शियल) मोहित भाटिया ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बीपीसीएल के डायरेक्टर (एचआर) राजकुमार दुबे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के एडवाइजर ललित कुमार वत्स विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

प्रणय और बंसोड़ मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर में

कुआलालंपुर, 8 जनवरी। भारतीय बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय और शटलर मालविका बंसोड़ बुधवार को पुरुष और महिला एकल वर्ग के शुरुआती दौर मुकाबलों में जीत दर्ज कर मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये है। छत से पानी का रिसाव होने कारण कल प्रणय का मैच स्थगित करना पड़ा था। उस समय प्रणय 21-12, 6-3 से आगे चल रहे थे। प्रणॉय ने अपने कनाडाई प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग को एक घंटे 29 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-15 से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं। अगले दौर में प्रणय का सामना चीन के शि फेंग से होगा। वहीं महिला वर्ग में मालविका ने मलेशिया की गोह जिन वेई को केवल 45 मिनट में 21-15, 21-16 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त यू हान और दक्षिण कोरिया की यू पो पाई की विजेता से होगा। तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला तथा सतीश कुमार कुरूणाकरन और आद्या वरियथ की भारतीय जोड़ी भी सुपर 1000 टूर्नामेंट के मिश्रित युगल प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।

ड्रॉप रोबॉल राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 8 जनवरी। भारतीय ड्रॉप रोबॉल संगठक एवं ड्रॉप रोबॉल राजस्थान एसोसिएशन सचिव लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया कि 4 से 8 जनवरी तक बिहार के पटना में आयोजित 14 वीं राष्ट्रीय स्तरीय सब जुनियर जुनियर ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में जुनियर बालिका वर्ग में खेलते हुए राजस्थान टीम की गंगा सुवालका, लक्ष्मी मेघवाल मुस्कान खारोल,ने चैलेंज इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। ट्रिपल वर्ग में कविता सालवी, यश राठौड़, आरसी,भावना प्रजापत,भावना तेली , शिवानी मंडल ने रजत पदक जीता, जुनियर डबल वर्ग में कर्णिका प्रजापत, कोमल बैरवा, राधा रानी, खुशी साहू ने रजत पदक जीता।

इस प्रकार खेल के हर क्षेत्र सिंगल, डबल ट्रिपल वर्ग में राजस्थान टीम ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए झंडे गाढ़े समापन सत्र में मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री राम कृपाल यादव रहे और उन्होंने सभी विजेताओं को सम्मानित किया। ओर उन्होंने कहा कि ऐसे स्वदेशी खेल को जरूर बढ़ावा मिलनी चाहिए ये ऐसा खेल जो बिना किसी विशेष संसाधन के भी आसानी से खेल जा सकता है, बिहार के ग्रामीण क्षेत्र जो गरीब और पिछड़े हे वहा के बालक बालिका भी ये खेल आसानी से खेल सकते हैं में इसे बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रारंभ कराऊंगा, भारतीय ड्रॉप रोबॉल संघ के संघटक लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने कहा कि अपने देश अपनी माटी का स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है ,वो दिन दूर नहीं जब गली गली अपना स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल खेला जाएगा

// आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल सम्पन्न //

भारत यूथ में उपविजेता, जूनियर में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 8 जनवरी। उज्बेकिस्तान की यूथ अंडर-18 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज - एशिया) का खिताब मेजबान भारत को 47-23 से हराकर जीता। जूनियर अंडर-20 के फाइनल में भी उज्बेकिस्तान ने जीत दर्ज की जिसने कजाखिस्तान को 38-18 से हराया। चैंपियनशिप की यूथ व जूनियर विजेता टीम अब इंटरकांटिनेंटल फेज में चुनौती करेंगे।

लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में 3 से 7 जनवरी तक आयोजित पाँच दिवसीय चैंपियनशिप में भारत की यूथ टीम उपविजेता रही जबकि जूनियर टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरे स्थान के मैच में भारतीय जूनियर अंडर-20 टीम ने बांग्लादेश को 40-24 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत मध्यांतर तक 17-9 से आगे था। भारत के लिए जसप्रीत सिंह व मोहित ने सर्वाधिक 9-9 गोल दागे। यूथ अंडर-18 में तीसरे स्थान के मैच में कजाखिस्तान ने कांस्य पदक जीता जिसने बांग्लादेश को 33-29 से हराया। विजेता टीम से वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 15 गोल किए।

राजस्थान राज्य हैंडबाल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय यूथ टीम में प्रदेश के कृतवर्य प्रताप सिंह, महेंद्र पाल सिंह तथा जूनियर टीम में जसप्रीत सिंह, अजय मोयल व नयन शेखावत थे। जसप्रीत सिंह भारतीय जूनियर टीम के कप्तान भी थे। भारतीय जूनियर टीम के कोच राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के हैंडबॉल प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह खंगारोत थे।

रजत पदक विजेता भारतीय यूथ टीम :अंशु, सुयश अवस्थी, प्रवीण गिल, आर्यन मलिक, नवदीप, नवीन कुमार, पीयूष सिंह, अरुमुगम रमन, रवि, रोहित, ध्रुव सेठ, कृतवर्य प्रताप सिंह, महेंद्र पाल सिंह, मनीष यादव, मुख्य कोच : मोहम्मद तौहीद, कोच : विष्णुवर्द्धन, हेड ऑफ डेलीगेशन : अमित पाण्डेय।

कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर टीम:- नयन शेखावत, ज्ञान गौर, प्रकाश, जसप्रीत सिंह, राहुल, अजय मोयाल, मनदीप, करन, शशिकांत जाधव, सचिन बनोथ, मानवेंद्र यादव, मोहित, रजनीश कुमार, कार्तिकेयन रवि, सौरभ शर्मा, मुख्य कोच: अनूप सिंह, कोच : प्रियदीप सिंह, हेड ऑफ डेलीगेशन : मुकेश मान।

राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप

राजीव गांधी एकेडमी को हराकर केजीआर एकेडमी सेमीफाइनल में पहुंची

जयपुर, 8 जनवरी। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच में जी आर एकेडमी ने राजीव गांधी एकेडमी को 39 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में जी आर एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आयुष शर्मा के 19 रन, गौरव पुनिया के 27 रन, पार्थ यादव के 19 रन व आरव दीक्षित के 12 रन से 34 ओवर में 136 रन बनाए। राजीव गांधी एकेडमी के लिए निलय अरोड़ा ने 18 पर 4, गगन सोनी ने 38 पर 3, एकलव्य व नकुल ने 1-1 विकेट लिए। जवाबी पारी में राजीव गांधी एकेडमी की टीम हर्षित के 36 रनों से 25.4 ओवर में 97 रनों पर सिमट गई। जीआर एकेडमी के लिए गौरव पुनिया ने 29 पर 3, भीष्म चेलानी ने 22 पर 3 विकेट, वासुदेव पारीक ने 21 पर 2 व गौरांश पारीक 1 विकेट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवा दिवस पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

युवा दिवस पर 13 हजार 500 से अधिक युवाओं को मिलेगी नियुक्ति की सौगात

31 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण होगा-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 8 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि युवाओं में कौशल और उद्यमिता का विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आगामी चार वर्षों में चार लाख रोजगार सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में देकर, रोजगार के कुल 10 लाख अवसर उपलब्ध करवाएंगे।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर युवा दिवस (12 जनवरी) पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस रोजगार उत्सव में राज्य सरकार युवाओं को 13 हजार 500 से अधिक नियुक्तियां देगी। इनमें चिकित्सा विभाग में सीएचओ के 5 हजार 261, वित्त विभाग में कनिष्ठ लेखाकार के 4 हजार 749, गृह विभाग में कांस्टेबल सहित, अन्य के 3 हजार 133, राजस्व विभाग में तहसील राजस्व लेखाकार के 179, शिक्षा विभाग (माध्यमिक) में विविध 159 पद तथा शिक्षा विभाग (प्राथमिक) में अध्यापक लेवल-प्रथम एवं द्वितीय के 76 पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं।

■ मुख्यमंत्री ने बताया कि चिकित्सा विभाग में सी.एम.एच.ओ. के 5,261 वित्त विभाग में कनिष्ठ लेखाकार के 4,749, गृह विभाग में कांस्टेबल सहित 3,133, शिक्षा विभाग (माध्यमिक) में 159, शिक्षा विभाग (प्राथमिक) में 76 पदों पर नियुक्तियाँ दी जायेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी दिन 31 हजार 29 करोड रुपये के 73 हजार 39 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि देश और विदेश में कुशल एवं योग्य कार्मिकों की भारी मांग की पूर्ति में राजस्थान अहम भूमिका निभा सकता है, इसके लिए अधिकारी युवाओं की शैक्षिणक और कौशलपरक योग्यता तथा विदेश में काम करने के इच्छुक युवाओं का एक डाटाबेस तैयार किया करें, ताकि विदेशी उद्योगों एवं कंपनियों को राज्य सरकार के माध्यम से योग्य एवं कुशल कार्मिक उपलब्ध करवाए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्थापित जो भी उद्योग तथा कंपनी रोजगार देने में राज्य के युवाओं को प्राथमिकता देंगे, उन्हें राज्य सरकार विशेष रूप से प्रोत्साहित करेगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी भास्कर ए सावंत, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ सहित, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान विधानसभा का सत्र 31 जनवरी से

जयपुर, 8 जनवरी। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का तृतीय सत्र शुक्रवार 31 जनवरी से होगा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को विधान सभा सत्र की तैयारियों की जानकारी ली। देवनानी ने सत्र से संबंधित आवश्यक निर्देश विधान सभा के अधिकारियों को दिये। देवनानी ने बताया कि 31 जनवरी को प्रात: 11 बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे अभिभाषण देने के लिये विधान सभा पहुंचेंगे। विधान सभा पहुँचने पर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा राज्यपाल बागडे का स्वागत करेंगे। राज्यपाल को विधान सभा में आरएसी बटालियन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जायेगा। राज्यपाल को प्रोसेशन के साथ सदन में ले जाया जायेगा।

■ इस सत्र के सभी प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख याचिकाओं आदि के जवाब ऑनलाइन दिये जायेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा 31 जनवरी को प्रात: 11 बजे आहूत किये गये सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र की अधिसूचना विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा द्वारा बुधवार को जारी की गई।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का तृतीय सत्र नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत, पूर्णरुपेण डिजिटलाइज्ड होगा। विधान सभा को विधायकों द्वारा पूछे गये प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों, आश्वासनों एवं याचिकाओं के जवाब राज्य सरकार के विभागों द्वारा नेवा एप्लीकेशन के तहत ही ऑनलाइन प्रेषित किया जाना आवश्यक है।

राज्य सरकार के सभी विभागों को विधान सभा द्वारा प्रश्न आदि नेवा एप्लीकेशन के माध्यम से ही ऑनलाइन भेजे जायेंगे।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा के नेतृत्व में विधान सभा के प्रशासनिक व तकनीकी अधिकारियों के दल ने राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में संचालित विधान सभा प्रकोष्ठों के अधिकारियों और कार्मिकों को बुधवार को नेवा एप्लीकेशन पर कार्य करने यथा प्रश्नों एवं प्रस्तावों इत्यादि के उत्तर देने एवं उनके परिचालन की जानकारी का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

केवल लोकसभा के लिये गठबंधन था - तेजस्वी

बक्सर, 08 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर तेजस्वी यादव ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि यह पहले से तय था कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है।..आगे देखा जाएगा कि चुनाव प्रचार में जाएंगे या नहीं। बिहार की यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव आज बक्सर पहुंचे। यहां उन्होंने उक्त टिप्पणी की।

बक्सर के सभा कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के दौरान यह तय हो गया था कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है, विधानसभा चुनाव के लिए यह गठबंधन नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया है कि क्या आप चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली जाएंगे तो उन्होंने कहा कि यह तय नहीं है, आगे देखा जाएगा। हालांकि तेजस्वी ने यह भी कहा कि बिहार में हम साथ-साथ हैं।

दरअसल दिल्ली में विधानसभा का चुनाव की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में इंडिया गठबंधन कई खंड में बंटा हुआ नजर आ रहा है।

कट ऑफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्या हमें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बात कही थी। हाई प्रोफाइल हुसैन पूर्व वाणिज्य सचिव और बुद्धिजीवी थे।

डॉ. चेल्लैया का मत था कि जरुरत से ज्यादा महत्वाकांक्षी योजना अर्थव्यवस्था की क्षमता को सीमित कर सकती है और ग्रोथ पर इसका विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता हे।

आबिद साहब का मत था कि अर्थव्यवस्था की सभी खिड़कियां खोल देनी चाहिए ताकि ताज़ा हवा अंदर आए और इस प्रक्रिया में अगर मक्खी-मच्छर भी आ जाते हैं तो आने दीजिए हम उनसे निपट लेंगे।

महत्वपूर्ण यह नहीं है कि ग्रोथ हो, बल्कि यह है कि ग्रोथ की गुणवत्ता कैसी है और इसका फैलाव कितना है तथा बिना अधिक दबाव के कब तक बनी रह सकती है। यदि अर्थव्यवस्था ज्यादा तेज हो जाए तो कई क्षेत्रों की क्षमताओं पर दबाव पड़ सकता है, महंगाई बढ़ सकती है और इससे दूरगामी संभावनाएं प्रभावित हो सकती है।

एक दिन में दो कोचिंग छात्रों ने आत्महत्या की

कोटा, 8 जनवरी (निसं)। कोटा में साल की शुरुआत में एक ही दिन में दो कोचिंग छात्रों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों छात्र कोटा में रहकर जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे थे।

■ कोटा में दो घटनाओं में हरियाणा व मध्य प्रदेश के छात्र ने फांसी लगाई।

पहला मामला जवाहर नगर थाने क्षेत्र का है हॉस्टल स्टाफ ने बताया कि जब वे छात्र के कमरे पर गए तो वह फंदे पर लटका मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस और परिवार को सूचना दी। हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला नीरज दो साल से कोटा में रहकर जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था। जवाहर नगर थाना अधिकारी ने बताया कि छात्र राजीव गांधी नगर क्षेत्र में आनंद कुंज रेजिडेंसी में हॉस्टल में रहता था। हॉस्टल स्टाफ ने बताया कि नीरज मंगलवार शाम अपने दोस्त के साथ बाहर खाना खाने गया था। तनाव में भी नहीं लग रहा था। रात में अटेंडेंस लेने के दौरान उसने कमरा नहीं खोला। रोशनदान से झांककर देखा तब सुसाइड का पता चला। पंखे में हैंगिंग डिवाइस भी लगी हुई है। उसने कुंडे (हुक) से फंदा लगाया। छात्र के पिता बबलू प्रजापत ने कहा उन्हें आत्महत्या की बात पर यकीन नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मेरे बच्चे ने पंखे से लटक कर सुसाइड किया है तो न तो पंखे की पंखुड़ियां टूटी न ही पंखा नीचे आया। उसमें इतनी जगह भी नहीं थी कि रस्सी अंदर चली जाए।

दूसरा मामला विज्ञान नगर क्षेत्र का है। विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश के गुना का मृतक अभिषेक कोटा में रहकर जेईई एडवांस की तैयारी कर रहा था। वह अंबेडकर नगर पीजी में रहता था। उसके कमरे में हैंगिंग डिवाइस नहीं लगा हुआ था। मृतक छात्र के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया है। मृतक के परिवार जनों को सूचित कर दिया। परिजनों के कोटा आने पर कारवाई की जाएगी। विज्ञान नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है जिसमें कहा गया है कि इस वर्ष चीन में इससे प्रभावित लोगों की संख्या पिछले वर्ष से कम है।

उन्होंने चीन के आंकडों के हवाले से कहा है कि इस वर्ष अस्पताल में भर्ती होने वाले एचएमपीवी पीड़ितों की संख्या कम हैं, इसे लेकर चीन में आपातकाल नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन में यह स्थिति प्रत्येक वर्ष होती है। दिसंबर 2024 के अंत एचएमपीवी से संक्रमण दर 30 प्रतिशत रही है।

50 साल बाद नए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस समारोह में शामिल होने के लिए 400 प्रमुख नेता आमंत्रित किये गये हैं, जिनमें कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल के नेता, संसद सदस्य, ए.आई.सी.सी. के महासचिव, सचिव तथा संयुक्त सचिव शामिल हैं।

पार्टी ने कहा, "इंदिरा गांधी भवन को इस तरह से डिज़ायन किया गया है कि वह पार्टी और इसके नेताओं की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा कर सके। इस भवन में प्रशासनिक, संगठनात्मक तथा रणनैतिक गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिये आधुनिक सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा गया है।"

इन नये भवन का शिलान्यास दिसम्बर 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह तथा तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया था। इस भवन के निर्माण में 15 वर्ष लग गये। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का मुख्यालय 1978 में 24 अकबर में शिफ्ट हुआ था। ज्ञातव्य है कि यह वह दौर था, जब पार्टी, आज़ादी के बाद पहली बार, सत्ता से बाहर हुई थी। आपातकाल के बाद हुये लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी भी हार गई थीं। कांग्रेस टूट भी गई थी तथा इंदिरा गुट के लिये कोई कार्यालय नहीं था। आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सांसद, गद्दाम वैंकट स्वामी ने अपना सरकारी आवास, 24 अकबर रोड, पार्टी को दे दिया था। आज़ादी के बाद से कांग्रेस पार्टी का मुख्यालय 7 जंतर-मंतर रोड पर था। पार्टी कार्यालय सर्वप्रथम 1971 में 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर तथा इसके बाद 1978 में 24 अकबर रोड पर शिफ्ट हुआ था।

वी. नारायणन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रॉपल्शन विशेषज्ञ हैं। वी नारायणन 1984 में इसरो में शामिल हुए और लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक बनने से पहले विभिन्न पदों पर कार्य किया। प्रारंभिक चरण के दौरान, उन्होंने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में साउंडिंग रॉकेट्स और संवर्धित उपग्रह प्रक्षेपण यान और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के ठोस प्रणोदन क्षेत्र में काम किया।

गहलोत ने सभी घोड़े खोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बारे में किसी भी सोच-विचार से पहले, इस प्रश्न का उत्तर जरुरी है।

वरिष्ठ नेताओं और मीडिया में गहलोत के बहुत समर्थक मौजूद हैं तथा इसका प्राथमिक कारण सिर्फ यह है कि वे इन दोनों के बड़े वित्त पोषक हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गहलोत द्वारा पार्टी पर फैंका गया इस प्रकार का पैसा उन्हें गांधी परिवार के लिये विचारणीय एवं स्वीकार्य बना सकता है।

एक पुरानी कहावत है कि राजनीति (असंभव को) संभव बनाने की कला है।

इसके अलावा, गहलोत के विश्वसनीय दायें हाथ, शशिकान्त फिर से दिल्ली पहुँच गये हैं, ताकि वे इस बात पर नजर रख सकें कि कांग्रेस में क्या चल रहा है, तथा इसके साथ ही, पार्टी नेताओं में गहलोत के लिये लामबंदी भी की जा सके।

गहलोत को उनसे फीडबैक मिलता रहता है तथा उसके बाद, वे परिस्थिति के अनुसार, क्रिया/प्रति क्रिया की ओर कदम बढ़ाते हैं।

लेकिन मूल प्रश्न यही बना हुआ है: क्या गांधी परिवार उन पर विश्वास करता है? या क्या ए.आई.सी.सी. में उनकी वापसी सोनिया गांधी के लिये एक तमाचा नहीं होगी कि उन्होंने एक ऐसे आदमी को वापस ले लिया, जिसने उनके नेतृत्व को चुनौती दी थी? यह व्यक्ति उनके (सोनिया) के नेतृत्व के इतने वर्षों में ऐसा करने वाला इकलौता व्यक्ति था।

सड़क दुर्घटना में घायलों का कैशलैस उपचार हो

नयी दिल्ली 08 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए मोटर वाहन अधिनियम के तहत एक कैशलेस उपचार की योजना 14 मार्च 2025 तक बनाने का केंद्र सरकार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एस राजसीकरन द्वारा दायर एक मामले पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें यह स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार को इस उद्देश्य के लिए कोई और समय नहीं दिया जाएगा।

पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि वह

■ सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को 14 मार्च तक योजना बनाने के निर्देश दिये।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत एक योजना जल्द से जल्द बनाए और हर हाल में 14 मार्च, 2025 तक यह योजना तैयार करे ताकि घायल सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना के शुरुआती समय, यानी गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

पीठ ने आगे कहा, "गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाने के लिए धारा 162 में किए गए प्रावधान का उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत जीवन के अधिकार को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना है।

इसके अलावा, योजना बनाना केंद्र सरकार का वैधानिक दायित्व है।"

राजस्थान में 10 जनवरी से वर्षा का अलर्ट

कोहरा व सर्दी का प्रकोप जारी, तापमान और गिरने का अनुमान

जयपुर, 08 जनवरी। राजस्थान में इन दिनों हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है और साथ ही राज्य के कई इलाके धुंध और कोहरे की चपेट में हैं। ठंड और कोहरे के कारण लोग अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर हैं। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, राज्य में आगामी चार से पांच दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने तथा अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री गिरावट होने की संभावना है।

■ मजबूत पश्चिमी विक्षोम के सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग में वर्षा का अनुमान है।

मौसम केन्द्र के प्रवक्ता के अनुसार, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी तीन दिन कहीं-कहीं घना कोहरा छाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आगामी 10-12 जनवरी को एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के क्षेत्रों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम केन्द्र के अनुसार बीकानेर संभाग में रविवार को बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार हल्के पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होगी। इसके बाद रात के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिलेगी।

राज्य में शनिवार को सर्वाधिक तापमान चित्तौड़गढ़ में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान वनस्थली (टोंक) में 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के एक मात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियसदर्ज किया गया।

संभल मंदिर - मस्जिद विवाद की सुनवाई पर रोक

प्रयागराज, 08 जनवरी। संभल के मंदिर मस्जिद विवाद से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जिला कोर्ट में चल रहे मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगा दी है। संभल की शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये रोक लगाई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सभी पक्षकारों से जवाब दाखिल करने को कहा है। पक्षकारों को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करना होगा। पक्षकारों के जवाब पर मस्जिद कमेटी को दो हफ्ते में अपना प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा।

■ इन्तजामिया कमेटी की याचिका पर हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट से जिला अदालत में चल रही मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगने से मुस्लिम पक्ष को फिलहाल राहत मिली है। जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट में आज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। हाई कोर्ट इस मामले में 25 फरवरी को फिर से सुनवाई करेगी।25 फरवरी को फ्रेश केस के तौर पर मामले की सुनवाई होगी।

संभल की जिला अदालत में 19 नवंबर को हरिशंकर जैन व अन्य की तरफ से मुकदमा दाखिल किया गया था। हिंदू पक्ष की तरफ से दावा किया था कि मुगल काल की शाही जामा मस्जिद उस स्थान पर बनाई गई थी जहां कभी हरिहर मंदिर था।

भारतीय मूल की अनिता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिबरल पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव की तैयारी चल रही है, आनंद को इसमें मजबूत प्रत्याशी माना जा रहा है। आनंद को उनके अनुभव और समावेशी नेतृत्व के कारण ताकतवर माना जा रहा है। हालांकि नेतृत्व का चुनाव कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिनमें पार्टी की गतिशीलता, जन समर्थन और लिबरल पार्टी द्वारा आगामी चुनावों के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति प्रमुख है।

अनिता आनंद भारतीय मूल की हैं और अगर वे प्रधानमंत्री बनीं तो कैनडा और भारत के रिश्तों को नई दिशा मिल सकती है, हालांकि दोनों देशों के बीच के गंभीर विवाद के समाधान में सिर्फ उनका नेतृत्व ही काफी नहीं हो सकता है। कई कारक हैं जो द्विपक्षीय सम्बंधों की दिशा प्रभावित करेंगे।

फिर भी आशावादी होने के कई कारण हैं। तमिलनाडु और पंजाब से आए अप्रवासी की पुत्री होने के कारण, वे भारत की चिंताओं व सांस्कृतिक संवेदनाओं के प्रति अधिक जागरुक हो सकती है। उनकी विरासत विश्वास को बढ़ाने व संवाद बहाल करने में पुल का काम कर सकती है।

संकट के प्रबंधन में आनंद का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, कोविड-19 के दौरान टीकों की खरीद में उनकी नेतृत्व क्षमता नज़र आई थी। इससे संकेत मिलता है कि तनावपूर्ण रिश्तों के समाधान में वे व्यवहारिक सोच अपना सकती है। एक ऐसा नेता जो व्यापार, सुरक्षा व पारस्परिक हितों पर ध्यान देगा, वह विवादास्पद मुद्दों का अराजनीतिककरण कर सकता है। भारत जैसे- जैसे विश्व में आर्थिक ताकत के रुप में उभर रहा है, आनंद फ्री ट्रेड एग्रीमैंट वार्ता को फिर से शुरु करने पर प्राथमिकता दे सकती हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री के रुप में अनिता को खालिस्तानी तत्वों के सम्बंध में भारत की चिंताओं का समाधान करना होगा। इसके लिए उन्हें प्रभावशाली सिख समुदाय से डील करना होगा।

अगर अनिता में भारत की सम्प्रभुता के लिए खतरा बने हुए आतंकी तत्वों पर कार्यवाही करने की इच्छाशक्ति है और वे व्यापारिक व शैक्षिक सहभागिता बढ़ाती हैं और दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करती हैं तो भारत और कैनडा के सम्बंधों में सुधार की संभावना बढ़ सकती है।

ट्रूडो के नेतृत्व में भारत व कैनडा के सम्बंधों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। खालिस्तानी अलगाववादी तत्वों के प्रति उनके ढीले रुख का भारत हमेशा से आलोचक रहा है। इससे दोनों देशों के सम्बंध बिगड़े थे और ट्रूडो द्वारा कैनडा के नागरिक की हत्या में भारत सरकार पर आरोप लगाने ने रिश्ते और बिगाड़ दिए थे। फ्री ट्रेड एग्रीमैंट वार्ता रद्द करने और मंत्रिमंडल स्तरीय वार्ताएं भी ठप्प पड़ गईं।

विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि नेतृत्व परिवर्तन के बाद भी दोनों देशों के बीच वार्ता के लम्बे दौर होने चाहिए, तभी भारत और कैनडा के रिश्तों में भरोसा बहाल हो सकता है। बाहरी कारक, जैसे अमेरिका-भारत और कैनडा -अमेरिका सम्बंधों में हो रहे बदलाव, भी भारत व कैनडा के संबंधों की दिशा तय कर सकते हैं।

तेलुगू भाषी लोगों की प्रतिष्ठा व साख धूल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुदान योजना का दुरुपयोग किया।

समस्त तेलुगू भाषी समुदाय तथा तेलुगू भाषी दोनों राज्यों के लिए यह शर्म की बात है कि अमेरिका में आंध्र व तेलंगाना मूल के लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए गए। इससे पूरे देश तथा विशिष्ट रूप से, दोनों राज्यों का नाम खराब हुआ।

संयुक्त आंध्र प्रदेश को अक्सर संयुक्त राज्य अमेरिका का 51वां राज्य कहा जाता था, इस राज्य के लोगों की अमेरिका जाने और वहाँ बसने की रुचि को देखते हुए।

हैदराबाद में तो "चिलुकुरु बालाजी" का एक मंदिर भी है जिसकी विशेषता है कि वहाँ प्रार्थना करने से अमेरिका का वीसा मिल जाता है। हैदराबाद में यह मंदिर वीसा मंदिर के नाम से जाना जाता है और हज़ारों की संख्या में वीसा पाने के इच्छुक लोग इस मंदिर में आते हैं और वीसा पाने के लिए विशेष पूजा करते हैं।

सी.एस.आर. अनियमितताओं का स्कैण्डल उजागर होने के बाद, अमेरिकन फैडरल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सियों तथा इन्टर्नल रैवेन्यु सर्विस अधिकारियों ने जाँच शुरु कर दी है।

एपल के कई कर्मचारियों, जिनमें मुख्यत: तेलुगू भाषी लोग शामिल हैं, के ऊपर आरोप है कि इन लोगों ने यूनाइटेड स्टेट्स में स्थित तेलुगू समितियों के साथ मिलीभगत करके एपल की सी.एस.आर. योजना का अनुचित लाभ उठाया है। इस योजना में गैर लाभकारी संगठनों का समर्थन करने की आड़ में, उक्त तेलुगू समितियाँ एपल के कर्मचारियों से दान लेती थीं, जिसके बाद एपल कंपनी समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के रुप में उतना ही धन संस्थाओं को देती थीं।

जाँच में सामने आया कि इन डोनेशनों में हेराफेरी की गई थी। एपल से, चंदे के बराबर धन प्राप्त करने के बाद, फण्ड्स को कर्मचारियों को वापस दे दिया जाता था। एपल के फायनैंस विभाग द्वारा एक आंतरिक समीक्षा में ये अनियमितताएं सामने आईं। एपल ने इन्टर्नल रैवेन्यु सर्विस को शिकायत की, जिसके बाद अब बर्खास्त किए गए कर्मचारियों की भी जाँच की जा रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, तेलुगू एसोसिएशनों ने एपल में काम करने वाले तेलुगूभाषी लोगों से डोनेशन माँगे तथा एक बड़ी योजना के तहत, कम्पनी की सी.एस.आर. की मैचिंग ग्रान्ट्स का अनुचित लाभ उठाया।

धोखाधड़ी के ये कृत्य उस समय प्रकाश में आये, जब एपल के वित्त विभाग ने डोनेशन के रिकॉर्ड्स में विसंगतियाँ तथा भिन्नताएँ पायीं। इसके तुरन्त बाद, अधिकारियों को सचेत कर दिया गया।

इस रहस्योद्घाटन के बाद, एपल ने विस्तृत एवं गहन ऑडिट कराया तथा ऑडिट में एपल के "ग्रान्ट प्रोग्राम" के दुरुपयोग की पुष्टि हो गई।

इस घोटाले का असर बर्खास्त कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहा, इससे पूरे अमेरिका में फैले तेलुगू संगठनों तथा टैक-समुदाय में आक्रोश एवं चिन्ता पैदा हो गई है। बहुत से लोग यह प्रश्न कर रहे हैं कि एपल जैसी प्रतिष्ठित कम्पनी में इतनी बड़ी "ब्रीच ऑफ ट्रस्ट" (विश्वास घात) की स्थिति कैसे पैदा हो सकती

■ अब यह "काण्ड" पकड़ा गया तथा अमेरिका के आई.आर.एस. विभाग को इसकी शिकायत की गई और 185 तेलूगू भाषी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। प्रतिष्ठा धूल धुसरित होने से क्या अब आंध्र व तेलंगाना के तकनीकी आई.टी. प्रोफेशनल्स को अमेरिका में प्रवेश के लिये "वीसा" मिलेगा?

है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के क्या उपाय हो सकते हैं।

लेकिन, भारत या दो तेलुगू भाषी राज्य ऐसे समय पर इस घटना की पब्लिसिटी करना नहीं चाहेंगे, जब अमेरिका में सरकार बदलने वाली है तथा चंद दिन बाद, 20 जनवरी को डॉनल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद सँभालने वाले हैं। विशेष बात यह भी है कि ट्रम्प के प्रबल समर्थक तथा "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (एम.ए.जी.ए.) एक्टिविस्ट्स बहुत से विदेशियों को प्रतिबंधित एवं निर्वासित करना चाहते हैं, क्योंकि उनका आरोप है कि विदेशों से अमेरिका में आ बसे लोगों के कारण, अमेरिकी लोगों के लिये नौकरियाँ ही नहीं रहीं हैं।

अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में भारतीय समुदायों के प्रति नफरत की भावना पहले से ही मौजूद है। इसके अलावा, ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि भारतीय मूल के करीब 18,000 लोगों में, जिन्हें अमेरिका में उनके अवैध प्रवेश के कारण निर्वासित किया जा सकता है, एक बड़ा हिस्सा तेलुगूभाषियों का है।

"तेलुगू ऐसोसिएशन ऑफ नार्थ अमेरिका (टी.ए.एन.ए.) जैसी तेलुगू एसोसिएशन्स के स्थानीय नेता संदेह की नज़र से देखे जा रहे हैं। इसके अलावा, इन पर यह भी आरोप है कि जब इस प्रकार की गतिविधियाँ हो रही होती हैं तो इनका ध्यान कहीं और होता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908